डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 26 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

website: www.hsnews.in

जयपुर, बुधवार, 28 दिसम्बर 2022

अंग्रेजी नववर्ष की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं
-शालिनी श्रीवास्तव

शांति धारीवाल, यूडीएच मंत्री, राजस्थान सरकार

राजकीय बालिका विद्यालय गलतागेट की ज़मीन को खा रही शासन-प्रशासन की लापरवाही और मिलीभगत

गलता गेट गोवर्धनपुरी थाने के सिपाही से लेकर मुख्यमंत्री के सिपाह सलाहकार तक शिक़ायत दर्ज़ करने पर भी नहीं रुका अब तक गलतागेट गोवर्धनपुरी का अवैध निर्माण

आनंद श्रीवास्तव
पुलिस आयुक्त, जयपुर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान सरकार के 04 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य के साथ-साथ जिला दर्शन पुस्तिका के लोकार्पण का कार्यक्रम यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के निवास स्थान एसएमएस हॉस्पिटल रोड़,जयपुर में आयोजित किया गया। जिसमें धारीवाल ने राजस्थान सरकार की 04 वर्ष की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और नई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन का आंकड़ों सहित विस्तृत वर्णन किया। इसी दौरान हिलव्यू समाचार द्वारा हर बार की भाँती अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों को लेकर यक्ष प्रश्न रखे गए। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल से उनके निवास,जयपुर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस विषय पर सीधी बातचीत के अंश--

प्रश्न : सर आप यूडीएच मंत्री हैं ! इस हवाले से राजधानी में लगातार अवैध निर्माण और अतिक्रमण बढ़ रहे हैं इस सम्बंध में क्या कोई योजना या कार्यवाही कर रहे हैं आप ?

उत्तर : (यूडीएच मंत्री धारीवाल) हाईकोर्ट ने नियमन पर रोक लगा रखी है हमारा प्रयास जारी है कि फिर से नियमन की प्रक्रिया हो तो जो बिल्डिंग्स का अवैध भाग है उसे तोड़कर बाक़ी हिस्से का नियमन कर दिया जाए ताकि राजस्व आय बढ़ सके।

(क्या अब अवैध निर्माण और अतिक्रमण के नियमन की मंशा में है राजस्थान कांग्रेस सरकार ?)

प्रश्नः सर हम बिल्डिंग बायलॉज के नियमों में शिथिलता की बात कर रहे हैं अवैध निर्माणों या अतिक्रमणों के नियमन की बात नहीं ?

उत्तर : बिल्कुल मैं जवाब दे रहा हूँ ! कि अतिक्रमण एक अलग मसला है और अवैध निर्माण एक अलग बात। अतिक्रमण पर हमारी सरकार ने बहुत काम किया है और अवैध निर्माण के लिए भी हम लगातार कोई हल निकालने का प्रयास कर रहे हैं?

प्रश्न : सर ! अगर अतिक्रमण पर सरकार ने काम किया है तो 3000-4000 स्क़वायर फिट राजकीय बालिका विद्यालय की गलतागेट गोवर्धनपुरी की ज़मीन पर बिहारी पाखंडी अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास लगातार कब्ज़ा करके अवैध निर्माण कर रहा है यह अतिक्रमण और अवैध निर्माण दोनों है उस पर कार्यवाही क्यों नहीं हो रही ?

उत्तर : बिल्कुल इस मेटर को दिखवा लेते हैं क्या मामला है?

(इस दौरान हिलव्यू समाचार द्वारा गलता गेट के मामले में तीन माह के प्रकाशित सभी अंक का पुलिंदा यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के हाथ में दिया गया ताकि वे इस पर संज्ञान ले सकें हालांकि सारा मामला उनके संज्ञान में पहले से है)

अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास, कनकबिहारी मंदिर, गलता गेट

गलतागेट का वर्तमान अवैध नवनिर्माण

रफ़ीक़ ख़ान, विधायक आदर्शनगर विधानसभा

थानाधिकारी भगवान सहाय गोवर्धनपुरी गलतागेट एवं आदर्शनगर जोन नगर निगम हैरीटेज लगातार कर रहे कोर्ट के आदेश की अवमानना

एससी/एसटी एडीजे कोर्ट के द्वारा दिए आदेश की अवमानना लगातार की जा रही है। लगातार नवनिर्माण जारी है राजकीय बालिका विद्यालय की ज़मीन पर और सरिए, सीमेंट, कंक्रीट के ट्रक लगातार आ रहे हैं। शासन-प्रशासन की मिलीभगत बिना कुछ सम्भव नहीं।

राहुल गाँधी यात्रा के दौरान कांग्रेस वॉर रूम,एसएमएस अस्पताल रोड़, जयपुर पर भारत जोड़ो यात्रा के राष्ट्रीय प्रभारी व सांसद जयराम रमेश एवं भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान के प्रभारी विभाकर शास्त्री के समक्ष इस विषय पर बातचीत की गई। इस दौरान आदर्शनगर विधायक रफ़ीक़ ख़ान जो कि अतिक्रमणकारी सियारामदास साधु के ख़ास सहयोगी भी हैं अतिक्रमण पर उन्होंने खीझ के साथ प्रतिक्रिया दी--

● विधायक रफ़ीक़ ख़ान -मेडम यह सूचना आपको ग़लत है बालिका विद्यालय की यह ज़मीन नहीं है आप आकर मुझसे मिलें !

● शालिनी श्रीवास्तव हिलव्यू समाचार संपादक : सर ! हर बार जब भी अंक प्रकाशित हुआ है उससे पूर्व लगातार आपके कार्यालय और निवास पर मैंने संपर्क किया है किंतु कोई रिस्पॉन्स नहीं आया। आपके बड़े भाई एवं ख़ास सहयोगी मुकेश भाटिया जी से मुलाक़ात हुई है बस हमेशा।

● रफ़ीक़ ख़ान पुनः--इस बात के क्या साक्ष्य हैं कि यह ज़मीन राजकीय बालिका विद्यालय की है?

● शालिनी श्रीवास्तव- मेरी गाड़ी में हमेशा उन दस्तावेज़ों की एक कॉपी रहती है जिन पर मैं काम कर रही होती हूँ आप कहें तो अभी प्रस्तुत करूँ?

● (लगातार बहस करते हुए रफ़ीक़ ख़ान ख़ुद को सही साबित करने में लगे थे किंतु सत्य उनका हृदय जानता है)

रफ़ीक़ ख़ान ने बाद में कहा कि यह (शालिनी) कांग्रेस के ख़िलाफ़ ही छापती हैं लेकिन उन्हें इस दौरान पवन खेड़ा जो कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं ने भाजपा पार्षद घनश्याम दास चंदलानी की हिलव्यू समाचार के मुख्यपृष्ठ पर लगी अवैध निर्माण के विरोध में लिखी ख़बर दिखाई और कहा कि वो तो बीजेपी के ख़िलाफ़ भी लिख रही हैं।इस तरह उन्होंने मामले में हस्तक्षेप कर विषय बदल दिया।

पुलिस की भूमिका पर संदेह से भरे प्रश्न व प्रमाणिकता के तथ्य

● गलतागेट थाने के थानाधिकारी भगवानसहाय की इस अवैध निर्माण को लेकर कोर्ट आदेश की अवमानना कर लगातार निष्क्रियता शासन और प्रशासन की मिलीभगत को प्रमाणित करती है।

● अनुसन्धान अधिकारी सुनील प्रसाद शर्मा (ACP) हिदा की मोरी,रामगंज की अनुसंधान के दौरान संदिग्ध भूमिका भी इस संदेह को पुख्ता करती है।

● पीड़ित राकेश मीणा,गोवर्धनपुरी निवासी द्वारा अनुसन्धान अधिकारी बदलने का प्रार्थना पत्र भी दिया गया है जो ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है पुलिस के बड़े अधिकारियों द्वारा,क्यों?

● इस विवादित विषय में डीसीपी नॉर्थ परिस देशमुख, पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव एवं सबसे बड़ी बात डीजीपी उमेश मिश्रा की इस गहन विषय पर लगातार उपेक्षा बड़े प्रश्न खड़े करती है।

पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव से मुलाक़ात कर हिलव्यू समाचार ने की इस विषय पर पुनः चर्चा

● प्रश्न (शालिनी श्रीवास्तव) : सर ! गलतागेट थाना लगातार कोर्ट के आदेश की अवमानना कर रहा है आप इस पर कार्यवाही क्यों नहीं कर रहे ?

● उत्तर (आनंद श्रीवास्तव) : पुलिस का काम नहीं अवैध निर्माण रोकना (बेमन से उत्तर देते हुए अजीब भाव मुद्रा से)

● प्रश्न : आप इस अंदाज़ में उत्तर क्यों दे रहे हैं जबकि DGP साहब ने ख़ुद ने इन अवैध निर्माणों के विषयों को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस थानों को उचित कार्यवाही के आदेश दे रखे हैं?

● उत्तर : यह प्रश्न आप उन्हीं से पूछें बाक़ी यह जो भी मामला है इसका लेटर दे दें चेक करवा लेंगे!

(हिलव्यू समाचार द्वारा प्रस्तुत किये गए दस्तावेज़ों को पुनः वापस देते हुए कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव बोले)

● प्रश्न : सर पत्रकारों का काम लेटर देना नहीं न्यूज़ छापना होता है उस अनुसार इस विषय पर आपकी तरफ़ से क्या कार्यवाही होगी वह जवाब दें आप? वैसे राकेश मीणा पीड़ित ने अनुसंधान अधिकारी बदलने का व सबंधित विषय पर पुनः आपको प्रार्थना पत्र दे दिया है जिसकी एक कॉपी अभी मैं पुनः आपको दे सकती हूँ।

● उत्तर : थोड़ा नरम पड़ते हुए आप वह कॉपी दे दीजिए मामला दिखवा लेते हैं।

अब देखना ये है कि आनंद श्रीवास्तव क्या कार्यवाही करते हैं आगे।
डीजीपी उमेश मिश्रा से मुलाक़ात के दौरान उन्होंने सम्बंधित क्षेत्र अधिकारियों से संपर्क करने को कहा था अतः आनंद श्रीवास्तव पुलिस आयुक्त से सम्पर्क किया गया फ़िलहाल परिस देशमुख डीसीपी नॉर्थ से मुलाक़ात नहीं की जा सकी है जल्द ही उनसे भी मुलाक़ात की जाएगी।

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर बना विसंगतियों का अड्डा

शिक्षक, छात्र और कर्मचारी प्रशासनिक निष्क्रियता से हैं पीड़ित

पीड़ित शिक्षक,पीड़ित छात्र और पीड़ित कर्मचारियों ने सिंडिकेट की मीटिंग में 26 दिसम्बर को किया प्रदर्शन

कुलदीप गुप्ता (सह-संपादक हिलव्यू समाचार)

दाएं से राजेश यादव, सहायक अनुभाग अधिकारी, सुंदर सिंह पूर्व महासचिव कर्मचारी संघ, दिनेश वर्मा लिपिक ग्रेड 1st, गोविंद सिंह अध्यक्ष कर्मचारी संघ राजस्थान विश्वविद्यालय, सुरेंद्र कुमार गोयल, कनिष्ठ लिपिक राजस्थान विश्व विद्यालय, किशन सिंह सहायक कर्मचारी राजस्थान विवि।

26 दिसम्बर को सिडिकेंट में कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष गोविंद सिंह ने कर्मचारियों की समस्याओं और अन्य कई मुद्दों को लेकर किया आंदोलन

राजस्थान विश्वविद्यालय के स्टाफ क्लब यूनियन व कर्मचारी नेता अध्यक्ष गोविंद सिंह से कर्मचारियों, शिक्षकों व छात्रों की समस्याओं को लेकर सीधी बातचीत...

अध्यक्ष स्टाफ क्लब यूनियन व कर्मचारी नेता अध्यक्ष गोविंद सिंह ने राजस्थान यूनिवर्सिटी, जेएलएन मार्ग पर हुई 26 दिसम्बर की सिंडिकेट में कई मुद्दे रखे।

■ मुख्यमंत्री द्वारा बजट 2022 में की गई घोषणा अनुसार संविदा कर्मचारियों की 20 प्रतिशत वेतन वृद्धि की जाए।

■ विश्व विद्यालय कर्मियों के LFAD के मुद्दे को सिंडिकेट के माध्यम से हल कराया जाए।

■ LFAD के चलते सेवानिवृत्त कर्मियों की कटौती को तुरंत रोका जाए । वर्तमान में इसकी वजह से ग्रेड पे में आई असमानता को दूर किया जाये

■ इस प्रकार गोविंद सिंह ने कर्मचारियों के आवास आवंटन में हो रही अनियमितता को दूर कर जरूरतमंद कर्मियों को आवास आवंटन की बात सहित अन्य कई मुद्दों पर संघर्षरत कर्मचारियों का समर्थन किया।

■ RGHS मेडिकल सुविधा को अपग्रेड करने की बात रखी ताकि गंभीर बीमारियों में कर्मचारियों को पूर्ण लाभ मिल सके।

राजस्थान यूनिवर्सिटी कर्मचारी नेता गोविंद सिंह ने कर्मचारी हित के हर मुद्दें पर कर्मचारियों की आवाज बुलंद करने एवं उनके साथ संघर्ष करने का विश्वास दिलाया।

जब जब कर्मचारियों के हितों का हनन होगा हमारी आवाज़ बुलंद होगी। शिक्षक हों,कर्मचारी हों या छात्र अगर इनमें से कोई भी असंतुष्ट है तो यूनिवर्सिटी की पढ़ाई और भविष्य दोनों प्रभावित होंगे। सिंडिकेट हो या प्रशासन इनकी निष्क्रियता यूनिवर्सिटी की साख को कमज़ोर कर रही है।

गोविंद सिंह, कर्मचारी संघ अध्यक्ष राजस्थान विश्व विद्यालय

पीड़ित व्याख्याता डॉ सुरेंद्र सिंह व रूटा के अध्यक्ष संजय कुमार से सीधी बातचीत

सुरेंद्र सिंह की माँग है कि 272 अन्य व्याख्याताओं के बराबर व समसक्ष अधिकार,प्रमोशन और वेतन उन्हें मिलना चाहिए। विश्वविद्यालय की निर्णय कमेटी, प्रशासन द्वारा निर्णय में निष्क्रियता एवं सरकार के आदेशों की अवहेलना से सीनियर शिक्षक सुरेंद्र सिंह के अधिकारों का लगातार शोषण हो रहा है। 26 दिसम्बर को राजस्थान विश्वविद्यालय में हुई सिंडिकेट मीटिंग में भी यह माँग रखी गयी कि 2001 से डॉ.सुरेंद्र सिंह चौहान को पदोन्नति कर लाभ दिया जाए। वित्तीय विसंगतियों के बहाने से सुरेंद्र का प्रमोशन लगातार टलता आ रहा है। राजस्थान विवि में इस तरह जब शिक्षक मानसिक और आर्थिक रूप से पीड़ित होंगे तो परिणाम सुखद कैसे हो सकते है?

संजय कुमार, रूटा अध्यक्ष

1995 से मैं कार्यरत हूँ और मुझे आज तक प्रमोशन नहीं मिला मेरे साथ के कई लोग सीनियर व्याख्याता या बड़ी पोस्ट पर चले गए लेकिन न मुझे अब तक प्रमोशन मिला न उस अनुसार वेतन वृद्धि हुई।

डॉ सुरेंद्र सिंह चौहान,
निदेशक पर्यावरण विभाग, राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर

राजस्थान यूनिवर्सिटी के भाभा हॉस्टल के असिस्टेंट वार्डन हरवंश गोदारा को हटाकर राजेश शर्मा को सौंपा गया मुख्य वार्डन का चार्ज

असिस्टेंट वार्डन हरवंश गोदारा ने मनमानी कर बॉलीबाल मैदान सब्ज़ियाँ उगा रखी थी और बॉलीबाल मैदान तहस-नहस करवा दिया था । भाभा हॉस्टल छात्रों के विरोध करने पर यूनिवर्सिटी में बाहरी छात्रों ने आकर भाभा हॉस्टल के छात्रों पर पथराव भी किया।उस दौरान असिस्टेंट हॉस्टल वार्डन हरवंश गोदाराने कोई कार्यवाही नहीं की और तो और ग़लत बयान देकर 16 बाहरी लड़कों के आतंकी हमलावर झुंड को मात्र 4 लोग बताकर गवाही दी। 09 दिन से अनशन पर बैठे छात्रों ने 26 दिसम्बर को सिंडिकेट की मीटिंग के दौरान छात्रों ने हरवंश गोदारा को हटाने की माँग रखी।कड़ाके की सर्दी में 09 दिन तक लगातार दिन रात अनशन पर वीसी कार्यालय के बाहर भाभा हॉस्टल के छात्र बैठे। विवि के परिसर में होमी जहाँगीर भाभा के पीजी हॉस्टल सहायक आवास अधिकारी हरवंश गोदारा पीजी छात्रों के हितों का लगातार हनन कर रहे थे। भाभा हॉस्टल छात्रों के आंदोलन 10वाँ दिन लाया नया सवेरा और आंदोलन का उद्देश्य पूरा हुआ। हरवंश गोदारा की मनमानी के विरुद्ध आंदोलन छेड़ा गया था गोदारा को हटाकर राजेश शर्मा को भाभा हॉस्टल का चार्ज सौंपा गया।

अनशन पर बैठे भाभा हॉस्टल के छात्र।

सम्पादकीय

वैश्विक नेतृत्व के लिए तैयार भारत

प्रासंगिक हो रहा 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का विचार

जी-20 इन दिनों चर्चा में है। दिसंबर में ही भारत ने इस वैश्विक समूह की कमान संभाली है। अध्यक्षता संभालने के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के मंत्र का आह्वान किया। उन्होंने इसके पीछे की संकल्पना का भी उल्लेख किया, 'कोई विकसित दुनिया और कोई तीसरी दुनिया नहीं' और 'एक विश्व' कहने का यही आशय है कि समूची मानवता 'एक परिवार' के रूप में साझा समृद्धि करे और अशक्त पक्ष को 'एक भविष्य' के लिए सहारा देकर सशक्त बनाया जाए।

ये सभी बातें तो प्रशंसनीय हैं, लेकिन वास्तविक राजनीतिक प्रकृति को देखते हुए सवाल उनके फलदायी होने को लेकर जुड़ा है। भूराजनीतिक हलचल, दक्षिणपंथी राजनीति, उद्दंड तानाशाही और आर्थिक राष्ट्रवाद जैसी दुर्दांत चुनौतियां इस राह में कुछ बड़े अवरोध के रूप में दिखती हैं। साथ ही, रूस-यूक्रेन युद्ध, कोविड महामारी का काला साया, जलवायु आपदाएं और भूमंडलीकरण से प्रत्येक स्तर पर विचलन से उपजी बेलगाम महंगाई, ब्याज दरों में तेजी का सिलसिला और निरंतर बढ़ती आर्थिक दुश्वारियां स्थिति को और बिगाड़ने वाली हैं। संप्रति विश्व समुदाय के लिए गंभीर चुनौतियां हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में राजनीतिक विमर्श भी आर्थिक वृद्धि के प्रति उदासीनता को दर्शाने वाला है।

यहां कुछ तथ्यों की पड़ताल उपयोगी होगी। पिछली सदी के नौवें दशक के मध्य से 2007 के बीच की अवधि को 'व्यापक समभाव' का दौर माना जाता है, जब दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं वृद्धि की ओर उन्मुख हो रही थीं, जिसमें करोड़ों लोगों को भयावह गरीबी और अभावग्रस्तता के दुष्चक्र से बाहर निकाला गया। व्यापक भूराजनीतिक शांति, संयमित राजनीतिक नेतृत्व, कम मुद्रास्फीति, निचली ब्याज दरें, भूमंडलीकरण की गहरी होती पैठ और पूंजी के मुक्त प्रवाह जैसे पहलुओं ने इसमें प्रभावी भूमिका निभाई। डेविड रिकार्डो का तुलनात्मक लाभ सिद्धांत साकार होता दिखने के साथ ही आर्थिक वृद्धि पर भी सार्वभौमिक ध्यान केंद्रित था। दुर्भाग्यवश, ये पहलू अब कमजोर पड़ रहे हैं और दुनिया भर में आर्थिक मुश्किलें एवं असमानता बढ़ती दिख रही है।

विकसित देशों में कामकाजी आबादी, विस्थापन और महिलाओं की व्यापक भागीदारी के साथ ही तकनीकी उन्नयन ने कुल कारक उत्पादकता यानी टीएफपी की वृद्धि में अहम योगदान दिया। टीएफपी कामकाजी आबादी के ज्ञान में आए परिवर्तन और तकनीकी प्रगति के प्रभाव का आकलन करता है। इसके माध्यम से किसी आर्थिक प्रणाली में दीर्घकालिक उत्पादन पर इन परिवर्तनों के प्रभावों के आकलन का प्रयास होता है। फिलहाल जननांकीय स्थिति प्रतिकूल हो रही है, विस्थापन को रोका जा रहा है और महिलाओं की भागीदारी चरम पर पहुंच गई है। कोविड ने काम को लेकर हिचक बढ़ाई है। तकनीकी सुधार अपनी एक सीमा में ही योगदान कर पा रहे हैं। स्मरण रहे कि विकासशील देशों को आउटसोर्सिंग, पूंजी के पर्याप्त प्रवाह और तकनीकी विकास की साझेदारी से लाभ पहुंचा। वहीं, समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था भूराजनीतिक शांति, नरम मुद्रास्फीति, निम्न ब्याज दरों और सस्ते श्रम, ऊर्जा, धातुओं और खनिजों की आपूर्ति से लाभान्वित हुई।

जब आर्थिक वृद्धि और लोगों की बेहतरी पर खतरा मंडरा रहा हो तो पारंपरिक संवादों और परिचर्चाओं की सार्थकता संदिग्ध होने लगती है। एक ऐसे दौर में जब दुनिया कुछ इसी प्रकार की परिस्थितियों से दो-चार हो, तब विकसित विश्व और तीसरी दुनिया के देशों को 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के सूत्र में पिरोने वाला भारत का विचार और प्रासंगिक हो गया है। ऐसे में सभी बैठकों के मूल में यही बात होनी चाहिए कि हम सभी एक ही नाव पर तैर रहे हैं और नैया पार लगने पर सभी को सहयोग का बराबर लाभ मिलेगा। स्पष्ट है कि आर्थिक राष्ट्रवाद से आर्थिकी के स्तंभों को आघात नहीं पहुंचना चाहिए। इसके बजाय उसे आर्थिकी से जुड़े जोखिमों को दूर कर उसे सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ऐसे में समय की आवश्यकता है कि सामाजिक असंतोष और आर्थिक गतिरोध को रोकते हुए लोगों, पूंजी और वस्तुओं एवं सेवाओं की मुक्त आवाजाही के साथ ही तकनीकी साझेदारी का सिलसिला कायम रहना चाहिए। दुनिया के किसी भी हिस्से में छिड़ा कोई संघर्ष पूरी दुनिया को प्रभावित करने में सक्षम हैं। रूस-यूक्रेन टकराव इसका ज्वलंत उदाहरण है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी का यह उद्गार कि 'यह युद्ध का युग नहीं' को लेकर वैश्विक सहमति बने, जो न केवल इस युद्ध पर तत्काल विराम लगाए, बल्कि भविष्य के किसी भी टकराव को रोकने से लिए ढांचे को और सशक्त बनाए। इस समय दक्षिणपंथी राजनीति, आर्थिक राष्ट्रवाद, भूराजनीतिक टकराव, हठधर्मी नेतृत्व और संवाद एवं सहयोग के प्रति अनिच्छा जैसे पहलू असमानता और अभाव जैसी स्थितियों को एक बड़ी हद तक प्रभावित कर रहे हैं। आर्थिक वृद्धि के कुछ उत्तोलक भी असमानता एवं अभाव की स्थिति निर्मित करने में योगदान करते हैं। ऐसे में स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक कदम निश्चित रूप से उठाए जाने चाहिए। पर्यावरण की बिगड़ती स्थिति पृथ्वी और यहां जीवन एवं आजीविका की निरंतरता के समक्ष बड़ी चुनौती है। पर्यावरण की स्थिति में गिरावट किसी भौगोलिक क्षेत्र की आर्थिकी एवं आर्थिक समृद्धि पर निर्भर करती है। जहां पर्यावरणीय विध्वंस को रोकने की जिम्मेदारी और जवाबदेही तो सार्वभौमिक है, किंतु उसकी कीमत हैसियत के हिसाब से साझा की जानी चाहिए।

फॉरेन ट्रिप बन जाएगी मज़ेदार कुछ ज़रूरी चीज़ें होंगी अगर साथ

विदेश में न्यू ईयर पार्टी करने का मन तो सबका होता है लेकिन कुछ लोग ही बिना किसी परेशानी के विदेश में न्यू ईयर पार्टी का आनंद ले पाते हैं. अगर आप इस बार न्यू ईयर पार्टी का प्लान कर रही हैं तो आपको पैकिंग करते समय ऐसी कुछ चीजें जरूर रखना होगा, जिससे आपकी यह ट्रिप मजेदार और आरामदायक हो.

छोटा बैग आएगा बहुत काम

आपको पैकिंग करते समय एक छोटा बैग जरूर रखना चाहिए. ऐसे में आपको विदेश में घूमते समय कई सारे बैग्स को कैरी नहीं करना पड़ेगा और अगर आसपास की मार्केट से शॉपिंग करनी है तो अलग से कुछ कैरी करने की आपको जरूरत नहीं पड़ेगी. इसके अलावा आप पार्टी में अपनी मेकअप किट के साथ ही और भी कई जरूरी सामान इस बैग में रख पाएंगी. कुछ खाने-पीने की चीजें भी इसमें रख सकती हैं.

वॉटर बॉटल

आपको अपने साथ एक ऐसी वॉटर बॉटल जरूर कैरी करनी चाहिए, जिसमें आप ठंडा और गर्म दोनों पानी रख सकें. इससे आपको अलग से बार-बार पानी की बोतल खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी. आपके पैसे भी बचेंगे. अगर आप अपनी फैमिली के साथ पार्टी के लिए विदेश जा रही हैं तो आपको बच्चों के लिए एक छोटी बॉटल को भी पैक कर लेना चाहिए.

कम्फर्टेबल फुटवियर

आपको पैकिंग करते समय कम्फर्टेबल फुटवियर भी साथ रखने चाहिए ताकि आप आराम से कहीं भी घूम पाएं. कई बार लोग सिर्फ हाई हील्स को ही कैरी करते हैं लेकिन आप यह पहनकर अगर वहां मार्केट को एक्सप्लोर करेंगी तो आपके पैरों में दर्द हो सकता है इसलिए आपको अपने साथ स्नीकर्स या कंफर्टेबल शूज ले जाना चाहिए.

आवश्यक दवाएं

आपको अपने साथ कुछ जरूरी दवाओं को भी रखना चाहिए ताकि आपको अगर किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधित कोई परेशानी लगे तो आपको दूसरे देश में दवाई ढूंढने में परेशानी न हो. इसके अलावा आपको अपने साथ मेकअप बॉक्स में सनस्क्रीन को भी रखना नहीं भूलना चाहिए ताकि अगर आप बीच पर घूमने जाएं तो यूवी किरणों की चिंता किए बिना रिलैक्स कर सकें.

कम बजट में प्लान करें शादी

कई बार हम शादी में सभी चीजें बजट में करना चाहते हैं. कई बार पैसों की तंगी के कारण हमें ऐसा करना पड़ता है तो वहीं कई लोग ऐसा पैसा बचाने के लिए भी करते हैं. इन टिप्स की मदद से आप आसानी से अपना वेडिंग बजट में प्लान कर सकते हैं.

इन्विटेशन कार्ड

कई बार हम काफी ज्यादा महंगा इन्विटेशन कार्ड खरीद लेते हैं. ऐसे में अगर आप भी सस्ते में वेडिंग प्लान करना चाहते हैं, आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है. आपको कुछ चीजों को सस्ते में खरीदना होगा. कई लोग महंगी चीजों को भी बार्गेनिंग करके सस्ते में खरीद लेते हैं. ऐसे में अगर आप भी बजट में शादी करना चाहते हैं तो सस्ता इन्विटेशन कार्ड ही खरीदें. ऐसा करने से आप अपना काफी पैसा बचा सकते हैं.

कपड़ों पर कम खर्च

कई बार हम काफी ज्यादा पैसे शादी के कपड़ों में ही खर्च कर देते हैं. ऐसे में हमारा पूरा बजट खराब हो जाता है. अगर आप भी बजट में शादी प्लान कर रहे हैं तो आपको शादी के कपड़ों पर खर्च नहीं करना चाहिए. शादी के कपड़े बाद में बिलकुल भी काम नहीं आते हैं. ऐसे में आप अपने पैसों की बचत कर सकती हैं.

ऑफ सीजन में बेहतर

अगर बजट कम है तो आपको ऑफ सीजन में शादी करना चाहिए. ऐसा करने से जगह से लेकर कैटरर्स तक आप सब चीजों पर डिस्काउंट पा सकते हैं. ऐसे में आपके काफी पैसे बच जाएंगे.

जरूरी मेहमानों को बुलाएं

कई बार हम काफी ज्यादा मेहमानों को बुला लेते हैं. ऐसा करने के कारण भी हमारा काफी ज्यादा पैसा खर्च हो जाता है. आपको मेहमानों की सूची छोटी रखनी चाहिए. ऐसा करने से कम बजट में आप आसानी से शादी कर लेंगे.

किफायती जगह रखें

कई बार हम काफी महंगी जगह पर शादी कर लेते हैं. अगर आप बजट में शादी करने का प्लान कर रहे हैं तो आपको सस्ते में मैरिज हॉल बुक करना चाहिए. ऐसा करने से भी आप काफी पैसे बचा सकते हैं.

कटौती बिल की, खुशी आपकी

एक आम मध्यमवर्गीय परिवार हर महीने आने वाले बिलों के भुगतान को लेकर परेशान रहता है. किसी एक बिल की रकम में वृद्धि से परिवार का मासिक बजट बिगड़ जाता है. लेकिन थोड़ी सूझबूझ से आप सभी तरह के बिलों में थोड़ी-थोड़ी बचत कर महीने में एक अच्छी रकम बचा सकते हैं.

मोबाइल फोन

बदलते समय के साथ मोबाइल फोन हर किसी की जरूरत बन गया है. आज चार लोगों का एक मध्यवर्गीय परिवार फोन पर औसतम 2,000 रुपए मासिक खर्च करता है. नेटवर्क कम्पनियां तरह-तरह के प्रलोभन देकर आपको कोई प्लान खरीदने को उकसाती हैं लेकिन आप अपनी जरूरत के हिसाब से प्लान का चुनाव करें और उसका भरपूर इस्तेमाल करें. इंटरनेट कॉलिंग का उपयोग भी किया जा सकता है.

वाई-फाई

अगर मासिक इंटरनेट बिल से आपका बजट बिगड़ रहा है तो एक बार इसके इस्तेमाल की समीक्षा करें. आप यह देखें कि आपको इंटरनेट पर क्या काम करना है. अगर आप ई-मेल चेक करने और सोशल मीडिया पर स्टेटस अपडेट करने या फिर कुछ कमेंट लिखने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं तो इसके लिए आपको हाईस्पीड इंटरनेट की जरूरत नहीं है. आप मोबाइल पैक से अपने लैपटॉप में इंटरनेट चला सकते हैं. इस स्पीड पर आप आराम से ई-मेल चेक करने के अलावा फेसबुक व ट्विटर जैसी व वेबसाइट्स को एक्सेस कर सकते हैं.

बिजली

घर के अधिकतर उपकरण बिजली से चलते हैं. बिजली के बिना सब कुछ ठप्प हो सकता है. ऐसे में सवाल यह है कि आप बिजली के बिल में कैसे कमी करें. बिल कम करने का सबसे सहज तरीका है कम एनर्जी का उपयोग करने वाले उपकरणों का इस्तेमाल. इसके अलावा आप गीजर, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर जैसे अप्लायंसेज को किफायत से इस्तेमाल कर अच्छी-खासी बिजली बचा सकते हैं. जैसे वाशिंग मशीन में गर्म की बजाय नार्मल पानी में कपड़े धोएं. इसी तरह गर्मियों में एसी को स्लीप मोड में चलाएं, जिससे वह बिजली कम खाए. अगर आप नए अप्लायंसेज खरीद रहे हैं तो उस पर स्टार रेटिंग जरूर देखें, आजकल एनर्जी सेवर मोड वाली चीजें ज्यादा चल रही हैं.

केबल

अगर आपके घर में एक से अधिक टीवी है तो अलग-अलग सेटटॉप बाक्स लगाना होता है. अगर आपके घर में अनलिमिटेड इंटरनेट कनेक्शन है तो आप इसका भरपूर फायदा उठा सकते हैं. घर में स्मार्ट टीवी है तो आप उस पर इंटरनेट के जरिए विभिन्न चैनलों को एक्सेस कर सकते हैं. अगर डीटीएच सेवा लेना जरूरी है तो आप अपने लिए केवल बेहद जरूरी चैनलों का पैक चुनें और बाकी के पेड चैनलों को इंटरनेट के जरिए देखें.

क्रेडिट कार्ड

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल जितना सहज और सुविधानजक है, उसका परिणाम उतना ही कष्टदायी होता है. अगर आप सोच-समझकर क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल नहीं करते तो इसके बिल के चंगुल से आप कभी भी छुटकारा नहीं पा सकते. आपके अकाउंट में बैलेंस हो, यह बेहद जरूरी है, तभी क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करें. अगर क्रेडिट कार्ड से कोई जरूरी चीज खरीदी है तो उसके बिल के भुगतान को प्राथमिकता दें क्योंकि समय पर भुगतान नहीं किया तो इसकी लेट पेनल्टी देनी पड़ेगी.

बच्चों को समझाएं ही नहीं, उन्हें समझें भी

पैरेंट्स को बच्चों के पालन-पोषण में हमेशा कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए. किसी भी तरह की लापरवाही करने से आपके बच्चों पर बुरा असर पड़ता है. कई बार पैरेंट्स बच्चों को संस्कारी बनाने के चक्कर में बहुत ज्यादा रोकने-टोकने लग जाते हैं. अगर आप भी कुछ ऐसा ही करते हैं तो यह जान लें कि ऐसा करना गलत है.

कारण ढूंढें

बच्चों को हर बात पर टोकने से पहले जरूरी है कि आप उसके पीछे का कारण ढूंढे. बच्चे कैसे बैठे हैं और क्या गेम खेल रहे हैं जैसी बातों के लिए उन्हें बिल्कुल ना टोकें. साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि किसी भी बात को समझाने का एक तरीका होता है. गलत तरीके से बात करने का बच्चों पर बुरा असर पड़ता है.

दोस्त बनें

दोस्त बनकर समझाने से बच्चा आपकी बात सुनेगा और उसे बुरा भी नहीं लगेगा. बच्चों को अच्छी आदतें सिखाने का यही सबसे अच्छा तरीका है. कोशिश करें कि आप उनके साथ खेलें, बातें करें और उन्हें समझें.

फ्रेंड्स के सामने न करें रोक-टोक

बच्चों के लिए उनके दोस्त क्या सोचेंगे, यह बहुत मायने रखता है. ऐसे में आप कोशिश करें कि आप कभी भी बच्चों को उनके दोस्तों के आगे न डांटें. और न ही उनके दोस्त को कुछ कहें. इससे बच्चों को शर्मिंदगी होती है.

खुद की सोच न थोपें

अक्सर बच्चों और पैरेंट्स के बीच सिर्फ इसलिए गैप आ जाता है क्योंकि वो खुद के विचार बच्चों पर थोपते हैं. आप क्या करना पसंद करते हैं, उसका आपके बच्चों से कोई संबंध नहीं है. इसलिए आप फर्क समझने की कोशिश करें और उन्हें उनके मुताबिक जीवन का आनंद लेने दें.

एप्स से प्रोडक्टिविटी को दें रफ़्तार

यह कल्पना हममें से कई लोग कर चुके होंगे कि काश कोई जादुई चिराग हाथ लग जाए, जिससे एक जिन्न निकले और सारे कामों को मिनटों में पूरा कर दे. आज के दौर में स्मार्टफोन और उसमें उपलब्ध एप्स ने इस कल्पना को काफी हद तक साकार कर दिया है. आज ऐसे कई एप्स हैं, जो न सिर्फ रोजमर्रा के कामों को आसान बनाते हैं, बल्कि यह हमारी प्रोडक्टिविटी को भी बढ़ावा देते हैं. आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ एप्स के बारे में...

कीपर पासवर्ड मैनेजर

इस एप में आप अपने पासवर्ड, पर्सनल फोटो और फाइलों को सेव कर सकते हैं. कीपर नये पासवर्ड बनाने में भी आपकी मदद करता है. इसमें एक ऑटोफिल फंग्शन है, जिसके चलते आपको लॉग-इन के लिए बार-बार डिटेल नहीं भरना पड़ता.

डुप एप

यह एप आपके बातचीत एवं मैसेजिंग करने के तरीके को आसान बना देता है. डुप अलग-अलग मैसेजिंग एप्स के कंटेंट को एक इंटेलीजेंट इंटरफेस में रखता है. यह सिर्फ एंड्रॉइड पर काम करता है. इस एप को इस्तेमाल करने के लिए आपको कांटेक्ट को स्वाइप करना होगा और कम्युनिकेशन आइकन पर लाना होगा. इन आइकेस में कॉलिंग, टैक्स्टिंग, व्हॉट्सएप, फेसबुक मैसेजर, स्काइप, हैंगआउट, ईमेल, कैलेंडर, ट्विटर, इंस्टाग्राम, वाइबर आदि शामिल है.

टोटल कमांडर

डेस्कटॉप फाइल मैनेजर का यह एंड्रॉइड वर्जन वाकई में पावरफुल है. यह आपको फाइल्स को कॉपी, मूव, डिलीट करने के लिए आसान और उपयोगी इंटरफेस मुहैया करता है. यह जिप फाइल्स को सपोर्ट करता है. इसमें बिल्ट-इन टेक्स्ट एडिटर भी है.

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस

गूगल ने आपकी जरूरतों के अनुरूप क्लाउड आधारित ऑफिस स्यूट में कई सुविधाएं दी हैं. माइक्रोसॉफ्ट मोबाइल पर अपनी पोजीशन को पुख्ता कर रहा है. अगर आपके पास ऑफिस 365 अकाउंट है, तो आपको वर्ड, एक्सल और पावर प्वॉइंट के बजाय वर्ड प्रोसेसर, स्प्रैडशीट और प्रेजेंटेशन एप्स मिलेंगे. इन पर काम करना वाकई एक नया अनुभव है. अगर आपके पास ऑफिस 365 सब्सक्रिप्शन है तो एडवांस फीचर्स भी मिलेंगे. यह आईओएस, एंड्रॉइड और विंडोज फोन के लिए उपलब्ध है.

आउटलुक

कामकाजी लोगों के लिए यह काफी उपयोगी एप है. ईमेल के लिए कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन ओवरऑल स्टेबिलिटी और फीचर्स की बात करें, तो कोई भी आउटलुक के आस-पास नहीं ठहरता. यह आईओएस, एंड्रॉइड और विंडोज फोन के लिए उपलब्ध है.

टेस्टमेकर

एंड्रॉयड फोन पर माइक्रोसॉफ्ट वर्ड का इस्तेमाल करनेवाले यूजर को हमेशा यह शिकायत रहती है कि इसका डिजाइन पीसी पर आधारित एनएसवाई से काफी अलग होता है, इसलिए वे वर्ड की ज्यादातर फाइलों को सही ढंग से तैयार नहीं कर पाते. गूगल प्लेस्टोर पर मुफ्त में उपलब्ध टेक्स्टमेकर ऐसे यूजर्स के लिए काफी उपयुक्त है. इस पर यूजर एमएस वर्ड का बिल्कुल पीसी जैसा वर्जन चला सकते हैं. इसमें वे एमएस वर्ड की किसी भी फाइल में तस्वीरों को लगा सकते हैं और बैकग्राउंड बदल सकते हैं. इसके अलावा इसमें टेक्स्ट साइज, फांट, बुलेट, बोल्ड, इटैलिक, हाईलाइट और हाइपरलिंक जैसी सुविधाएं भी दी गयी है.

एक नज़र

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती

पूर्व सीएम राजे ने दिल्ली में 'सदैव अटल' स्मारक पर अर्पित किए पुष्प

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता रहे भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 98वीं जयंती पर भाजपा नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने उन्हें रविवार को याद किया। सीएम राजे ने दिल्ली स्थित 'सदैव अटल' स्मारक पर पहुंचकर वाजपेयी को पुष्प अर्पित किए। इसके बाद राजे ने कहा कि प्रेरणापुंज वाजपेयी की पावन स्मृतियां हमारे हृदय में सदैव जीवंत रहेंगी।

एक सप्ताह तक लघु भारत बनेगा पाली, आएंगे चार सौ विदेशी मेहमान भी

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी 67 साल बाद पाली में 4 से 10 जनवरी तक आयोजित होगी। यहां 400 विदेशी सहित देश से 35 हजार से अधिक स्काउट एवं गाइड हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जंबूरी की व्यापक तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की यह जंबूरी प्रदेश में स्काउट एवं गाइड का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि 67 साल बाद राजस्थान में इस जंबूरी का आयोजन हो रहा है और राज्य सरकार इसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए किसी प्रकार की कमी नहीं रखेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारे और सहयोग का संदेश जाता है।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने जंबूरी के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला, शिक्षा राज्य मंत्री जाहिदा खान, मुख्य सचिव उषा शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा विभाग पवन कुमार गोयल, रीको अध्यक्ष कुलदीप रांका और प्रमुख शासन सचिव वित्त अखिल अरोरा उपस्थित रहे।

रोजाना होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं बिजली विभाग द्वारा जम्बूरी के समय विद्युत की अबाधित आपूर्ति सुनिश्चित तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 24 घंटे आपातकालीन चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। जंबूरी से पूर्व एवं जंबूरी के दौरान विभिन्न माध्यमों द्वारा नियमित रूप से व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जंबूरी स्थल पर प्रदर्शनियां भी आयोजित होंगी। जंबूरी स्थल पर रोजाना राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन भी होंगे। यहां अस्थाई पुलिस चौकी, यातायात व्यवस्था, नियमित पेट्रोलिंग एवं सीसीटीवी मॉनिटरिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

कोरोना संक्रमण को लेकर प्रशासन अलर्ट: मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बोले...

पब्लिक प्लेस पर ज़रूर पहनें मास्क

हिलव्यू समाचार
जयपुर। कई देशों में कोरोना के बढ़ते केसों को देखते हुए प्रदेश सरकार ने अलर्ट मोड़ पर काम करना शुरू कर दिया है। सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोरोना समीक्षा बैठक लेकर विभाग के अधिकारियों और विशेषज्ञों से प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था और कोरोना के खतरे की स्थिति की जानकारी ली।

इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आमजन को सावधानी बरतते हुए सार्वजनिक स्थानों पर मास्क का उपयोग करना चाहिए, लेकिन घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मास्क कोरोना के अलावा अन्य बीमारियों से बचाव में भी लाभदायक है। मास्क पहनने से टीबी सहित कई गंभीर बीमारियों के मरीजों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के अस्पतालों में आईसीयू बेड, ऑक्सीजन प्लांट्स, चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ, दवाइयों की उपलब्धता सहित अन्य सभी संबंधित उपकरणों की स्थिति और आवश्यकता की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही चिकित्सा अधिकारियों को चिकित्सा संस्थानों में आने वाली खांसी, जुकाम, बुखार, इत्यादि मौसमी बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों की कोविड- सेपलिंग करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पॉजीटिविटी रेट मात्र 0.1 प्रतिशत है और राजस्थान ने प्रथम एवं द्वितीय कोविड लहर में बेहतरीन कोरोना प्रबंधन किया है। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा, मुख्य सचिव उषा शर्मा, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा टी. रविकांत भी मौजूद रहे।

प्रदेश के 96.4 प्रतिशत लोग वैक्सीनेट

बैठक में कोरोना की स्थिति और खतरे की जानकारी देते हुए आरयूएचएस के कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी ने बताया कि राज्य में 96.4 प्रतिशत लोगों को कोरोना बचाव टीके की पहली खुराक और 90 प्रतिशत लोगों को दूसरी खुराक लग चुकी है। अब तक राजस्थान में 11.53 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। दिसंबर माह में अब तक कोरोना के कारण किसी भी मरीज की मृत्यु नहीं हुई है। राज्य में गत सप्ताह में पॉजिटिव दर मात्र 0.28 प्रतिशत दर्ज की गई है।

कोरोना खतरे के बीच बढे मौसमी बीमारियों के मरीज

मौसम की मार, घर-घर जुकाम, वायरल बुख़ार

हिलव्यू समाचार
जयपुर। दुनिया में कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए प्रदेश सहित देश भर में अलर्ट जारी कर दिया गया। इसी बीच सर्दियों में तापमान में उतार चढ़ाव के चलते वायरल बीमारियों का खतरा बना हुआ है। इसके चलते पिछले दिनों से सर्दी, जुकाम व वायरल बुखार आदि के मरीज बढ़ रहे हैं। स्थिति ऐसी है कि प्रदेश के सबसे अस्पताल एसएमएस की ओपीडी में आने वाले मरीजों में 30 फीसदी मरीज वायरल बीमारियों के हैं। एसएमएस में ओपीडी की संख्या बढ़कर 9 हजार के करीब पंहुच गई है। मौसमी बीमारियों में खांसी जुकाम, बुखार के आलावा तापमान में गिरावट से स्वाइन फ्लू का खतरा बढ़ गया है। साथ ही टॉन्सिल, बच्चों में ब्रोंकियोलाइटिस, सर्दियों में पेट का फ्लू, साइनासिटिस, त्वचा पर खुजली करने वाली जुओं का खतरा बढ़ गया है।

तापमान के उतार-चढ़ाव ने बढ़ाई परेशानी

इन दिनों बढ़ रही बीमारियों को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि इन दिनों न्यूनतम तापमान 5 से 8 डिग्री के बीच और अधिकतम तापमान 20 से 24 के बीच बना हुआ है। इससे न्यूनतम व अधिकतम तापमान में करीब 20 डिग्री तक का अंतर आ रहा है, इससे तापमान के प्रति शरीर की अनुकूलता नही होने से बीमारियां बढ़ रही है।

कोरोना का खतरा बढ़ा

प्रदेश में मौसमी बीमारियों के साथ-साथ कोरोना का खतरा एक बार फिर बढ़ गया है। नए वेरियंट को देखते हुए सेम्पलिंग भी बढ़ाई गई है। प्रदेश में रविवार को कोरोना के 10 केस आए हैं। सबसे अधिक 8 मरीज जयपुर और उदयपुर, सीकर में एक-एक मरीज मिला है। रविवार को कोरोना के 4 हजार सैम्पल लिए गए हैं।

अस्थमा के 30 फीसदी मरीज बढ़े

तापमान में गिरावट के साथ ही वातावरण में नमी के चलते बीते 10 दिनों में सांस संबंधी बीमारी के मरीजों की संख्या में करीब 30 फीसदी इजाफा हुआ है। एसएमएस अस्तपाल में रोजाना करीब 400 से 500 मरीज पहुंच रहे हैं, जिसको लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि हवा के दबाव के कारण धुआं व धूल स्मॉग का रूप ले रहे हैं। सुबह शाम पड़ने वाली स्मॉग स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल रही है। इस कारण दमा रोगियों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। डॉक्टर्स का कहना है कि इससे बचने के लिए मरीजों को दवा के साथ-साथ सावधानी बरतने और मास्क लगाकर रखने की आवश्यकता है।

फेफड़ों का संक्रमण बढ़ा

सर्दियों में बच्चो में खांसी जुकाम लम्बे समय तक रहने के कारण निमोनिया, ब्रोंकियोलाइटिस का खतरा बढ़ गया है। जेके लोन अस्पताल में रोजाना करीब 100 से अधिक बच्चे फेफड़ों के संक्रमण से पीड़ित आ रहे हैं।

> इन दिनों खांसी, जुखाम, बुखार, अस्थमा जैसे लक्षणों वाले मरीज बड़ी संख्या में आ रहे हैं। तापमान में उतार-चढ़ाव का असर और नए तरह के वायरल बीमारियों के मरीज अधिक हैं। ब्लड टेस्ट व अन्य तरह के टेस्ट से बीमारियों के बारे में पता लगा रहे हैं। कई मरीज लक्षणों को देखते हुए दवा लेते हैं, लेकिन स्थिति गंभीर होने पर अस्पताल आ रहे हैं। इनकी जांच में डेंगू, मलेरिया, स्वाइनफ्लू की पुष्टि हो रही है।
>
> **डॉ. मनोज शर्मा,** अतिरिक्त अधीक्षक, एसएमएस अस्पताल

क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष डॉ. कृष्णा पूनिया ने चौगान स्टेडियम का लिया जायजा

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। चौगान स्टेडियम परिसर में जयपुर स्मार्ट सिटी योजना के तहत बन रहे ऑल वेदर स्विमिंग पूल, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, आउटडोर व इंडोर खेलों के लिए बन रहे खेल मैदानों का सोमवार को क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष डॉ.कृष्णा पूनिया ने निरीक्षण किया। आधारभूत व्यवस्थाओं एवं खेल मैदानों के लिए संतोषजनक कार्य नहीं होने पर पूनिया ने नाराजगी जताते हुए जयपुर स्मार्ट सिटी योजना के निर्माण कार्यों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डॉ. पूनिया ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य तय सीमा में पूरा करते हुए राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद को सुर्पुद करें।

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा: पेपर लीक मामले को लेकर हंगामा

प्रदेशभर में भाजपा का प्रदर्शन पुलिस-कार्यकर्ता आमने-सामने

हिलव्यू समाचार
जयपुर। वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण को लेकर भाजपा लगातार सरकार पर आक्रामक बनी हुई है। भाजयुमो की ओर से सोमवार को प्रदेशभर में प्रदर्शन किया गया। जिला मुख्यालयों पर युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एकत्र हुए। इस दौरान नारेबाजी, रैली निकाल और पुतला फूंककर आक्रोश जताया।

सोमवार को जयपुर में सिविल लाइंस सहित प्रदेश के सभी जिलों में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सरकार का पुतला फूंका। जयपुर में भाजपा मुख्यालय से लेकर भाजयुमो ने सिविल लाइंस फाटक तक रैली निकाली और वहां से सीएमआर की ओर कूच करने को लेकर अड़ गए। इस पर पहले से मौजूद पुलिस ने भाजयुमो के कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया तो पुलिस और कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए। इस दौरान भाजयुमो कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर धक्का-मुक्की भी हुई। कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड्स को लांघकर उन्हें पार करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने सफल नहीं होने दिया। राजधानी में भारतीय जनता युवा मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं दोपहर में भाजपा कार्यालय पर एकत्रित हुए और प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में बीजेपी कार्यालय से नारेबाजी करते हुए सिविल लाइंस फाटक की ओर कूच किया। सिविल लाइंस फाटक पर पुलिस ने बैरिकेड लगाकर भाजयुमो कार्यकर्ताओं को रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने सरकार का और शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका।

पेपर लीक का खामियाजा भुगत रहे युवा

भाजयुमो के अध्यक्ष हिमांशु शर्मा ने कहा कि गहलोत सरकार में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। उसका खमियाजा लाखों अभ्यर्थियों को भुगतना पड़ रहा है। विरोध दर्ज करवाने पर हमारे कार्यकर्ताओं को पुलिस हिरासत में लेकर उनके साथ मारपीट करती है। यह सरकार युवाओं को दबाने का प्रयास कर रही है, लेकिन सरकार अब युवाओं के निशाने पर है। हम लगातार विरोध करेंगे और जब तक मुख्य सरगना पकड़ में नहीं आएगा, हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

कांग्रेस के 4 वर्ष के शासनकाल में 16 बार पेपर लीक

नकल माफ़ियाओं का अड्डा बन गया है राजस्थान: राज्यवर्धन सिंह

हिलव्यू समाचार
जयपुर। आज राजस्थान नकल माफियाओं का अड्डा बन गया है। यहां कई प्रकार के माफिया पनप गए हैं। चाहे वह बजरी माफिया हो, भू माफिया हो या नकल माफिया।यह आरोप भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आरोपों के सिलसिले को यहीं खत्म नहीं किया और कहा कि पेपर लीक करने वाले अपराधी भी राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल रहे हैं। इन अपराधियों को निश्चित रूप से कांग्रेस का राजनीतिक संरक्षण मिला हुआ है।

सीबीआई जांच क्यों नहीं

राज्यवर्धन सिंह ने कहा कि हम बार-बार पेपर लीक मामलों को लेकर सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार निष्पक्ष जांच नहीं करवा रही है। हाल ही पेपर लीक के मामले में जो 55 लोग गिरफ्तार किए, उनमें अभ्यर्थी भी शामिल हैं। लेकिन जो मूल जड़ में हैं, वह अभी तक नहीं पकड़े गए। अगर सरकार सख्त होती तो आज ये बदमाश सलाखों के पीछे होते।

गरीब परिवार की दाल-रोटी का सवाल

सांसद राठौड़ ने कहा कि शिक्षामंत्री बी.डी. कल्ला जैसा कहते हैं, वैसा कार्य करने की हिम्मत भी रखें। यह पेपर लीक मामला भाजपा-कांग्रेस का मामला नहीं है, वरन यह तो युवाओं के जीवन और गरीब परिवार की दाल-रोटी का सवाल है। राजस्थान सरकार सिर्फ एक ही परिवार को आगे बढ़ाने में लगी हुई है। जबकि एक गरीब परिवार अपने खर्चों में कटौती कर बच्चों को पढ़ाते हैं। ऐसे परिवारों को अपने उन बच्चों से आशाा होती है कि वह गांव-शहर से दूर जाकर प्रतियोगिता की तैयारी कर घर की नैतिक जिम्मेदारी उठाएगा। लेकिन जब अंत में ऐसी नकल या फर्जीवाड़े के चलते युवाओं को निराशा हाथ लगती है और पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है।

सरकार आई तो करेगी हिसाब

राजस्थान में सोलहवीं बार पेपर लीक हुआ है। पेपर लीक के तार ऊपर तक जुड़े हैं, लेकिन माफिया अब बचेंगे नहीं। प्रदेश में आगामी चुनाव में भाजपा सरकार आई तो सबका हिसाब होगा। जो गुंडे बदमाश पनप गए हैं, वे यह न समझें कि उनकी फाइलें चुनाव के बाद बंद हो जाएंगी। सरकार आने के बाद भाजपा इंसाफ करेगी। कांग्रेस के 4 वर्ष के शासनकाल में 16 बार पेपर लीक हो चुके हैं।

सड़कों पर उतरे RLP कार्यकर्ता

जयपुर में आरएलपी ने विरोध प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल के नाम ज्ञापन देकर मामले में सीबीआई जांच करवाने, राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष को बर्खास्त करने तथा शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला के इस्तीफे की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान कई जिलों में आरएलपी कार्यकर्ताओं व पुलिस में टकराव भी हुआ। जयपुर में आरएलपी युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष रणदीप सिंह के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को जिला कलेक्ट्रेट परिसर से बाहर रोकने के लिए के गेट बंद किए गए। वहीं आरएलपी कार्यकर्ताओं ने अजमेर, जोधपुर, बाड़मेर, नागौर में विरोध प्रदर्शन करते हुए शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका।

अन्य परीक्षाओं के पेपर मानें लीक

प्रदेशभर में विरोध के बाद आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने कहा कि बेरोजगारों का दर्द सड़कों पर आ गया और वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा का पेपर जिस बस से पकड़ा गया वो बस तीन दिनों से घूम रही थी। ऐसे में निश्चित तौर पर सारे पेपर आउट हुए थे। बेनीवाल ने कहा कि बस जैसे ही पकड़ी गई तो पुलिस ने पेपर आउट होना माना जबकि उस समय तक पेपर अभ्यर्थियों को ही नहीं दिया गया। ऐसे में पुलिस को कैसे पता चला कि यही पेपर आना वाला है और परीक्षा प्रारंभ होने से पहले ही राजस्थान लोक सेवा आयोग ने भी यह मान लिया की पेपर आउट हो गया, जो अपने आप में बहुत बड़ा सवालिया निशान है। उन्होंने कहा कि इन सब तथ्यों को देखते हुए सरकार को जल्द से जल्द ऐसे सभी मामलों की सीबीआई जांच की अनुशंसा करने की जरूरत है।

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा का भरतपुर दौरा

झूठे मुकदमे करते हैं पुलिस को ज़्यादा परेशान: डीजीपी

हिलव्यू समाचार

भरतपुर। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा सोमवार को भरतपुर के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने रिजर्व पुलिस लाइन में संपर्क सभा में भाग लेकर पुलिसकर्मियों की समस्याएं जानी और उनके समाधान के प्रति उन्हें आश्वस्त किया। संपर्क सभा में पुलिस कर्मियों द्वारा डीजीपी को विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया, जिसमें खासकर पुलिसकर्मियों की हाउसिंग समस्या प्रमुख रूप से सामने आई। डीजीपी उमेश मिश्रा ने बाद में एसपी ऑफिस में मीडिया से बात करते हुए कहा कि संपर्क सेवा में पुलिस को यही मूल मंत्र दिया गया है कि वह सेवा भावना से काम करें और अपनी वर्दी के अनुरूप ही आमजन से आचरण करें। डीजीपी उमेश मिश्रा ने कहा कि झूठे मुकदमेबाजी के मामले पुलिस को ज्यादा परेशान करते हैं। साथ ही पुलिसकर्मियों का समय भी खराब होता है।

आईजी कार्यालय में सुनी लोगों की समस्याएं

डीजीपी उमेश मिश्रा ने एसपी कार्यालय सभागार में पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर कानून व्यवस्था के संबंध में विस्तार से विचार-विमर्श किया। बाद में आईजी कार्यालय में आमजन की समस्याएं सुनकर संबंधित पुलिस अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। इस मौके पर एडीजीपी सुनील दत्त, आईजी गौरव श्रीवास्तव, एसपी श्याम सिंह, धौलपुर एसपी धर्मेंद्र सिंह, करौली एसपी नारायण टोगस सहित कई पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

जल्द एक्टिवेट होंगे साइबर थाने

साइबर क्राइम के संबंध में डीजीपी ने कहा कि भरतपुर में पुलिस ने साइबर क्राइम के कई बड़े खुलासे किए हैं और घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश भी लगा है। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों की पुलिस का भरतपुर की पुलिस अच्छा सहयोग करती है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में साइबर थाने एक्टिवेट हो जाएंगे, तब कहीं जाकर पर पूरी तरह से साइबर क्राइम पर अंकुश लग पाएगा।

सिरोही जिले में कांडला राजमार्ग पर हुआ हादसा

कार और एसयूवी की टक्कर में मासूम की मौत व 7 लोग घायल

हिलव्यू समाचार

सिरोही यहां कांडला राजमार्ग पर शनिवार देर रात मारुति शोरूम के सामने कार और एसयूवी में टक्कर हो गई। हादसे में एक साल के मासूम की मौत हो गई। वहीं 7 लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रेवदर थाने के एएसआई दिनेश कुमार ने बताया कि रेवदर कस्बे में करौली मार्ग पर मारुति शोरूम के सामने कार और एसयूवी में टक्कर हो गई। हादसे में एक साल के मासूम गणेश पुत्र हेमा राम देवासी की मौके पर ही मौत हो गई व अन्य 7 लोग गंभीर घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए रेवदर के सरकारी अस्पताल में लाया गया। घायलों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज के बाद परिजन उन्हें गुजरात ले गए।

हादसे की सूचना मिलते ही रेवदर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को घटनास्थल से हटाकर सदर थाने भिजवाया।

एएसआई दिनेश कुमार ने बताया कि मृतक बच्चे के परिजनों ने पुलिस को लिखित में रिपोर्ट देते हुए बच्चे के पोस्टमार्टम नहीं करवाने की बात कही। इसके बाद पुलिस ने बच्चे के शव को परिजनों को सौंप दिया है।

वरिष्ठ शिक्षक भर्ती परीक्षा: भाजपा-आरएलपी का हल्ला बोल

पेपर लीक मामले में आया उबाल, कराएं CBI जांच

अजमेर (हिलव्यू समाचार)। वरिष्ठ शिक्षक भर्ती परीक्षा में पेपर लीक मामले ने अब राजनीतक रंग ले लिया है। परीक्षा में सामान्य ज्ञान का पर्चा लीक होने के विरोध में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने प्रदेशभर में प्रदर्शन किए। पुलिस ने इस मामले में अब तक 55 लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा और आरएलपी ने सरकार के खिलाफ अलग-अलग प्रदर्शन कर मामले में सीबीआई जांच कराने की मांग की। इसी कड़ी में भारतीय जनता युवा मोर्चा के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आरपीएससी पहुंचे। जहां उन्होंने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं की पुलिस से भिड़ंत भी हो गई। कार्यकर्ताओं ने बेरिकेडिंग तक फेंक दिए। पुलिस ने बमुश्किल कार्यकर्ताओं को शांत करवाया। अजमेर प्रदर्शन में शामिल हुए पूर्व शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी ने बताया कि हम इस मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग करते हैं। कांग्रेस सरकार में ये 11वीं बार पेपर लीक हुआ है जो कि परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। इसके बाद आरपीएससी के बाहर आरएलपी के कार्यकर्ताओं ने खूब हंगामा किया और शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा और आरएलपी ने जयपुर, कोटा, जोधपुर, अजमेर सहित प्रदेश में कई जगह अपना वरोध दर्ज करवाया। इधर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आरपीएससी चेयरमैन के इस्तीफे और शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की।

अचेत होकर रोड पर गिरे जिलाध्यक्ष

प्रदर्शन के दौरान अजमेर देहात जिलाध्यक्ष अर्जुन नलिया अचेत हो गए। बाद में होश आने पर आयोग सचिव को ज्ञापन सौंपा गया और पुतला फूंककर नाराजगी जताई गई। आयोग सचिव एच एल अटल को ज्ञापन देने के लिए सांसद भागीरथ चौधरी, विधायक वासुदेव देवनानी, अनिता भदेल, पूर्व संसदीय सचिव शत्रुघ्न गौतम सहित युवा मोर्चा के पदाधिकारी पहुंचे। सचिव के कक्ष में सभी ने जमकर खरी खोटी सुनाई। उन्होंने यहां तक कहा कि कांग्रेस की मिलीभगत से ही पेपर लीक हो रहे हैं। एक भी भर्ती अब तक बिना विवाद के सम्पन्न नहीं हुई है।

सीकर में कलेक्ट्रेट में घुसने की कोशिश

सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर सीकर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यहां कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एसएफआई के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में घुसने की कोशिश की। ऐसे में मौके पर मौजूद कोतवाली पुलिस और आरएसी के जवानों ने उन्हें रोका। कार्यकर्ताओं ने एडीएम रतन कुमार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन भी सौंपा।

भाजपा किसान मोर्चा ने किया जल सत्याग्रह

कोटा। युवाओं ने लगातार हो रहे पेपर लीक के विरुद्ध कड़कड़ाती ठंड में।भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश नायक के नेतृत्व चंबल नदी में जल सत्याग्रह किया। किसान मोर्चा ने सोमवार सवेरे चंबल नदी क्षेत्र के भीतरीय कुंड में अर्धनग्न होकर सरकार के खिलाफ पेपर लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। नायक ने बताया कि कांग्रेस सरकार सम्पूर्ण कर्जमाफी का झूठा आश्वासन देकर सत्ता में आई और सत्ता में आते ही कांग्रेस ने किसान , युवा और मध्यम वर्ग का शोषण करना आरंभ कर दिया। पिछले चार साल के शासन में एक भी भर्ती पूरी नही हो पाई और कुप्रबंधन के कारण लगातार रीट, वनरक्षक,सेकंड ग्रेड भर्ती परीक्षाओं के पेपर आउट होते रहे।सरकार राहुल गांधी के स्वागत सत्कार में इतनी व्यस्त रही कि पेपर की सुरक्षा और प्रबंधन को ताक पर रख दिया।

एक नज़र

प्रयोगशाला सहायक भर्ती 2018

बेरोज़गारों ने मुर्गा बन किया विरोध-प्रदर्शन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रयोगशाला सहायक भर्ती 2018 की दूसरी सूची जारी कराने की मांग को लेकर युवा बेरोजगार अभ्यर्थियों ने सोमवार को राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले स्वास्थ्य भवन के सामने मुर्गा बनकर प्रदर्शन किया। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि 5 दिसंबर को सचिवालय में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर आयोजित वार्ता में चिकित्सा विभाग शासन सचिव ने 15 दिसंबर तक दूसरी सूची जारी करने का वादा किया था जो अब तक पूरा नहीं हुआ। इसके चलते अभ्यर्थियों ने पहले चिकित्सा मंत्री के आवास का घेराव किया था और अब स्वास्थ्य भवन का घेराव किया है। यादव ने कहा कि सूची जारी नहीं करना मुख्यमंत्री के आदेशों की अवमानना है।

जयपुर संभागीय आयुक्त ने ली बैठक

थानों में सीसीटीवी कवरेज और रिकॉर्ड सुनिश्चित करने के निर्देश

हिलव्यू समाचार

भरतपुर। जयपुर संभागीय आयुक्त अंतर सिंह नेहरा ने अधिकारियों को थानों में सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने और सीसीटीवी के रिकॉर्ड को संधारित करने के निर्देश दिये।

सोमवार को मिनी सचिवालय में संभागीय आयुक्त अंतर सिंह नेहरा की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट लेवल ओवरसाइट कमेटी की बैठक हुई। बैठक में जयपुर जिले के थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, मॉनिटरिंग सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान अंतर सिंह ने थानों में आमजन की तुरंत सुनवाई, प्राथमिकता के साथ एफआईआर दर्ज करने और थानों में व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जयपुर नगर निगम हेरिटेज की महापौर मुनेश गुर्जर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर बीरबल सिंह, जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक मनीष अग्रवाल सहित जिले के अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

आदर्शनगर उपायुक्त सुरेश राव ने ट्रांसफोर्ट नगर रैन बसेरों का किया औचक निरीक्षण

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सर्दी के बढ़ते हुए प्रकोप को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा असहाय और गरीब लोगों के लिए रात्रि में सोने के लिए जगह-जगह पर अस्थायी रैन-बसेरों की व्यवस्था की गई। व्यवस्था कितनी सुचारू रूप से चल रही है इसकी जाँच पड़ताल करने हेतु आदर्श नगर जोन उपायुक्त सुरेश राव ने अपनी टीम के साथ ट्रांसपोर्ट नगर स्थित रैन- बसेरों का औचक निरीक्षण किया और स्थिति का पूर्ण जायजा लिया। लोगों से बातचीत कर उनका हाल चाल पूछा और जरूरी दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त महोदय के साथ निगम से उनके साथ राजेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे।

धर्म सभा का आयोजन

सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में मौन जुलूस

हिलव्यू समाचार

अलवर। झारखंड सरकार की ओर से जैन समाज के सबसे बड़े तीर्थस्थल श्री सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में अलवर शहर में रविवार को विशाल मौन जुलूस निकाला गया। मौन जुलूस श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मन्नी का बड़ से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होता हुआ ओसवाल जैन स्कूल पहुंचा। यहां धर्म सभा का आयोजन किया गया। समाज के प्रमुख तीर्थस्थल श्री सम्मेद शिखर को बचाने के लिए जैन समाज ने एकता का परिचय दिया। इस दौरान आयोजित धर्मसभा में वक्ताओं ने कहा कि अब दो आगामी आंदोलनों में संघर्ष तेज किया जाएगा। इस मौन जुलूस में महिलाएं केसरिया साड़ी में और पुरुष सफेद ड्रेस में चल रहे थे।

पर्यटन स्थल बनाना स्वीकार नहीं

मौन जुलूस शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए ओसवाल स्कूल पहुंचा। ओसवाल स्कूल में धर्म सभा का आयोजन किया गया। इस धर्म सभा को संबोधित करते हुए पूर्व निशक्तजन आयुक्त खिल्ली मल जैन ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा वर्ष 2018 में सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया, जो जैन समाज को कतई स्वीकार नहीं है। उन्होंने बताया कि पूजा-अर्चना साधना तपस्या का जैन धर्म का सबसे बड़ा तीर्थ सम्मेद शिखर जहां 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष लिया था। जैन समाज को इस तीर्थ स्थल को पर्यटन स्थल बनाना स्वीकार नहीं होगा। जैन ने कहा कि इसके लिए जो भी लड़ाई लड़नी पड़े वह लड़ी जाएगी। उन्होंने जैन समाज को आव्हान किया कि इसकी पवित्रता को बरकरार रखना जैन समाज का फर्ज है।

प्रधानमंत्री से मिलेंगे

पूर्व निशक्तजन आयुक्त जैन ने कहा कि जब यह पर्यटन स्थल बन जाएगा तो यहां अय्याशी के अड्डे बन जाएंगे, जहां होटल भी खुलेंगे। रेस्टोरेंट भी खुलेंगे। बार भी खुलेंगे। ऐसे में इसकी पवित्रता कैसे बरकरार रहेगी। राजनीतिक पार्टियां बाद में होंगी, लेकिन पहले हम जैन हैं व जैन के लिए सदैव लड़ेंगे। इस अवसर उन्होंने कहा कि ज्यादा जरूरत पड़ी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिला जाएगा। पूर्व निशक्तजन आयुक्त विमल जैन ने इस अवसर पर कहा कि 11 और 18 दिसंबर को दिल्ली में आंदोलन किए गए। इसके बावजूद भी सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की, इसके लिए पत्र व्यवहार भी किए गए।

सरकार को लिखेंगे पत्र: विधायक

अलवर शहर विधायक संजय शर्मा ने कहा कि इस मामले में केंद्र सरकार को पत्र लिखा जाएगा। झारखंड सरकार को भी पत्र लिखा जाएगा कि जैन समाज के तीर्थ की पवित्रता बरकरार रखी जाए। कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि जो भी तीर्थ स्थान है, उसकी पवित्रता बरकरार रहनी चाहिए।

काम की बात

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट का क्षत्रिय चिंतन शिविर -2022 सम्पन्न

हिलव्यू समाचार

जयपुर। लाइव न्यूज नाऊ चैनल जयपुर श्री अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट राजस्थान प्रदेश का चिंतन शिविर 2022 का शनिवार को श्री कृष्णा मैरिज गार्डन , केडिया चौराहे के पास , मुरलीपुरा ,सीकर रोड ,जयपुर में हुआ जिसमे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर ऋषिपाल सिंह जी परमार के साथ राष्ट्रीय स्तर के व प्रदेश स्तर के पदाधिकारियो ने भाग लिया व मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार श्री प्रताप सिंह जी खाचरियावास सहित समाज के कुछ अतिथियो को भी आमंत्रित किया गया था उसमें श्री राजपूत सभा महानगर जयपुर के अध्यक्ष श्री गणपत सिंह राठौड़ , अखंड राजपुताना सेवा संस्थान , दिल्ली के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राजस्थान प्रभारी शिव सिंह भुरटिया व समाजसेवी व काँग्रेस सदस्य श्री दीपेंद्र सिंह शेखावत व श्री अखिल भारतीय राजपूत विकास समिति दिल्ली के प्रदेशाध्यक्ष श्री औंकार सिंह व लावेव न्यूज नाऊ चैनल के प्रधान संपादक श्री शत्रुजय कुमार सिंह विशेन व अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश कुमार सिंह करकेडी, श्री आर के सिंह जी राणा वाइस चांसलर , पार्षद राखी राठौड़ , मनोज जी सम्मलित हुए जिनका प्रदेश कार्यकारिणी ने स्वागत किया और राजस्थान क्षत्रिय चिंतन शिविर में संगठन की भूमिका , महिला सशक्तिकरण, केवल आर्थिक आधार पर आरक्षण हो इस विषय को लेकर चिंतन शिविर लगाया था । सभी वक्ताओं ने बहुत ही अच्छी से बोला । मुख्य अतिथि श्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने अपने संबोधन में समाज के प्रति समर्पित रहने वाली जो संस्थाए है वह सभी अपने स्तर पर कार्य अच्छा कर रही है । अंत मे राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर ऋषिपाल सिंह दौरन्दा विभिन्न क्षेत्रो से आये हुए पदाधिकारियो व सभी आंगतुक अतिथियों को चिंतन हुई । पांडाल पूरा केसरिया रंग से भरा हुआ था । चिंतन शिविर में पुरुष वर्ग में राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवराज सिंह शक्तावत , प्रदेश संरक्षक श्री राजबहादुर सिंह जादौन , प्रदेश प्रभारी श्री वीरेंद्र सिंह कीटनोद , प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रह्लाद सिंह भीराना , प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौड़ , प्रदेश उपाध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह नाथावत , श्री हेमेंद्र सिंह राजावत ,प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री मान सिंह रामपुरा , प्रदेश प्रवक्ता डॉ रूपक सिंह जी , प्रदेश महामंत्री श्री महेंद्र सिंह जामोला, श्री निरंजन सिंह राठौड़ , प्रदेश प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी राव दिलीप सिंह परिहार , श्री सुनील सिंह आमेरा, श्री नीरज सिंह कामा , श्री राजेन्द्र सिंह बाबरा व जोधपुर संभाग अध्यक्ष श्री पेप सिंह इंदा व संरक्षक श्री त्रिभुवन सिंह भाटी व जिला अध्यक्ष कार्यकारिणी में जगत सिंह परमार जयपुर , सरनाम सिंह सिकरवार धौलपुर , भवानी सिंह धीरावत सवाईमाधोपुर, सत्येंद्र सिंह जादौन करौली,प्रेम सिंह अलवर, हनुमान सिंह तंवर दौसा , भगत सिंह गौड़ भरतपुर, जितेंद्र सिंह सीकर, रूपेंद्रराज सिंह राठौड़ अजमेर, प्रह्लाद सिंह शक्तावत चितौड गढ़, हरेंद्र सिंह चुरू, रघुनंदन सिंह पड़िहार बूंदी, रघुपाल सिंह चौहान राजसमन्द , सुरेन्द्र सिंह भाटी बाड़मेर, दिलीप सिंह राणावत पाली , कान सिंह सिसोदिया प्रतापगढ़, मोहन सिंह भाटी बीकानेर, भूपेंद्र सिंह राठौड़ हनुमानगढ़, महेंद्र सिंह देवड़ा सिरोही, लक्ष्मण सिंह सोडा जैसलमेर, रविराज सिंह शक्तावत उदयपुर व मातृ शक्ति में महिला पदाधिकारीयो में राष्ट्रीय अध्यक्ष विजया जी सोलंकी, राष्ट्रीय महामंत्री मनीषा सिंह जी, प्रदेश अध्यक्ष मधु जी राठौड़ , कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सीमा जी चौहान, वरिष्ट प्रदेश उपाध्यक्ष जीवंत जी कंवर , प्रदेश उपाध्यक्ष निशा जी रजावत, मुकेश जी कंवर, सुनीता जी राठौड़, सुमन जी राजावत, प्रदेश सचिव अंजू कंवर, प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री सरोज कंवर, प्रदेश संगठन मंत्री सुनीला राजावत , जयपुर संभाग अध्यक्ष कंचन शेखावत , उदयपुर संभाग अध्यक्ष रजनी चूडावत, बीकानेर संभाग अध्यक्ष उषा कंवर, कोटा संभाग अध्यक्ष तरुणा सोलंकी, जिला अध्यक्ष अनिता, राजप्रभा चौहान टोंक, प्रियंका चौहान बांसवाड़ा, नरेंद्र कंवर डूंगरपुर, गोविंद सिसोदिया चितोड़गढ़, शीलू शेखावत भीलवाड़ा, धनराज राठौड़ हनुमानगढ़, अनिता कंवर जोधपुर,बेबी कंवर बाड़मेर, मुकेश कंवर का स्वागत करके संस्था का सुनहरा बैच व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया ।

सीएम अशोक गहलोत ने 167 नई एम्बुलेंस को दिखाई हरी झंडी, बोले...

देश में राजस्थान चिकित्सा क्षेत्र में सिरमौर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को 167 नए एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये सभी एम्बुलेंस बेसिक लाइफ सपोर्ट-108 सेवा को और मजबूत करने के लिए सभी जिलों में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने व्हीकल एप्लिकेशन एप को भी लॉन्च किया। एप के जरिए अब एंबुलेंस की ट्रैकिंग की जा सकेगी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में राजस्थान देश में सिरमौर है। यहां की योजनाएं देश में मिसाल बनी हुई हैं। कोरोना को लेकर राजस्थान पूरी तरह से सतर्क है। ऑक्सीजन समेत समस्त तैयारी पूरी है। उन्होंने कहा की राजस्थान में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने वाला और हर व्यक्ति को बीमा के दायरे में लाने वाला पहला राज्य है। राजस्थान उत्तरप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र जैसे राज्यों से आगे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कोरोना महामारी के दौरान शानदार प्रबंधन हुआ था। भीलवाड़ा मॉडल की पूरे विश्व में सराहना की गई। राज्य का स्वास्थ्य ढांचा किसी भी प्रकार चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। अस्पतालों में आईसीयू बेड, ऑक्सीजन प्लांट, दवाइयां व्यवस्थाएं माकूल हैं। पीएचसी से लेकर मेडिकल कॉलेज तक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया है।

कहा... भाजपा नफरत की राजनीति करती है

राजस्थान के 90 फीसदी लोग स्वास्थ्य बीमा में कवर

गहलोत ने कहा कि देश में जहां मात्र 41 प्रतिशत आबादी के पास स्वास्थ्य बीमा है, वहीं राजस्थान में आज 90% लोगों को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कवर किया गया है। उत्तर प्रदेश में 15.9 फीसदी, महाराष्ट्र में 22.4 और गुजरात में 44.4 फीसदी लोग ही स्वास्थ्य बीमा में कवर हैं। मुख्यमंत्री ने आयुष्मान भारत योजना का पैसा केंद्र द्वारा देने के संबंध में कहा कि आयुष्मान योजना में केंद्र द्वारा सोशल इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार तय किए गए लोगों को ही पात्र माना है, इसमें राजस्थान के बहुत कम लोग हैं, जबकि चिरंजीवी में सभी नागरिकों को शामिल किया जा रहा है।

जन आक्रोश सभा: बीजेपी प्रदेश प्रभारी का आरोप, राजस्थान में महिलाओं पर अत्याचार और भ्रष्टाचार चरम पर

प्रदेश सरकार के संरक्षण में हो रहे हैं पेपर लीक: अरुण सिंह

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने चित्तौड़गढ़ और वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्रों में रविवार को जन आक्रोश सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के संरक्षण में पेपर लीक हो रहे हैं।

राजस्थान का युवा कई महीने तैयारी करने के बाद परीक्षा देने जाता है, परंतु परीक्षा का पेपर लीक हो जाता है। रीट, वनरक्षक और अब आरपीएससी पेपर लीक घोटाले हो रहे हैं। यह सब गहलोत सरकार के संरक्षण में हो रहे हैं। लगातार पेपर लीक होने से युवाओं में आक्रोश है। राजस्थान में महिलाओं पर अत्याचार और भ्रष्टाचार चरम पर है। प्रदेश महिलाओं पर अत्याचार, बलात्कार, बेरोजगारी में नंबर वन है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी ने कहा कि जनजाति वर्ग की बच्ची के साथ अत्याचार होता है, इसलिए जनता में आक्रोश है।

पेपर लीक माफिया के आगे सरकार सरेंडर

प्रदेशाध्यक्ष पूनियां ने कहा कि पेपर लीक माफिया पर नकेल कसने में कांग्रेस सरकार विफल है। दर्जनों परीक्षाओं के पेपर लीक होने से प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ मुख्यमंत्री खिलवाड़ कर रहे हैं। अब हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि जैसे पेपर लीक माफिया के आगे सरकार ने सरेंडर कर दिया हो।

महिला और मानवाधिकार आयोग को पत्र

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने राजस्थान में महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म, गैंगरेप, अपहरण व तस्करी के मामलों से उत्पन्न हो रही स्थिति के संबंध में राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखा है। इसमें लिखा है कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 8 लाख, 61 हजार से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हो चुके हैं, जिनमें से 1 लाख, 55 हजार से अधिक मामले महिलाओं पर अत्याचारों से संबंधित हैं। इन मामलों में 25 हजार से अधिक मामले दुष्कर्म व गैंगरेप के हैं। अभी हाल ही में प्रदेश के भीलवाड़ा जिले में स्टाम्प पेपर पर लड़कियों की खरीद-फरोख्त का मामला भी सामने आया है। इस पर आयोग ने संज्ञान भी लिया है। पूनियां ने आयोग से कहा है कि वह महिला अपराधों पर संज्ञान लेते हुए इन्हें रोकने को लेकर उपाय करें।

पेपर लीक पर सख्त हुए मुख्यमंत्री

लिप्त परीक्षार्थियों के ख़िलाफ़ की जाएगी कार्यवाही

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भर्ती परीक्षा के पेपर लीक होने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए शनिवार को कहा कि इसमें शामिल परीक्षार्थियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। गहलोत ने कहा कि राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है, जिसने इस तरह के मामले में त्वरित व सख्त कार्रवाई की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शनिवार को रद्द किए गए पेपर की नई तारीख जल्द ही जारी कर दी जाएगी। गहलोत ने शनिवार को मीडिया से कहा कि पेपर लीक होना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

कई राज्यों, सेना और न्यायपालिका (राजस्थान) में पेपर लीक होने लगे हैं। यह बहुत ही चिंताजनक स्थिति है। राजस्थान वह पहला राज्य है देश में जिसने ऐसे लोगों को जेल में डाल रखा है।

उन्होंने कहा कि आज भी यह हरकत करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी। हमने हाल ही विधानसभा में एक कानून पारित किया है, जिसके तहत ऐसे लोगों को सख्त सजा मिलेगी। जरूरत पड़ी तो और कड़ा कानून बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से कई ऐसे गिरोह बन गए हैं, जो बच्चों को गुमराह करते हैं। लिप्त बच्चों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

भाजपा को जवाब

भाजपा के इस मुद्दे को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधे जाने पर गहलोत ने कहा कि राजस्थान के अलावा भी कई राज्यों में पर्चे लीक हो रहे हैं, लेकिन वहां कार्रवाई नहीं होती। राजस्थान वह राज्य है, जहां कार्रवाई भी होती है। पर्चे लीक भी हुए तो कार्रवाई भी हुई, लोग अब भी जेलों में बैठे हैं। आज के मामले में हमने सख्त कार्रवाई करते हुए लोगों को गिरफ्तार किया है। आज निरस्त किए गए पेपर की दुबारा परीक्षा भी जल्द ही करवाई जाएगी।

कोटा में छात्र आत्महत्या के मामले पर बोले धारीवाल

कोचिंग संस्थान नहीं है दोषी छात्रों की आत्महत्या के

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कोटा में छात्र की आत्महत्या के मामले में प्रदेश के स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा में छात्रों कोचिंग संस्थानों को क्लीन चिट देते हुए कहा कि ये संस्थान प्रशासन के बनाए नियमों का न सिर्फ पालन कर रहे हैं, बल्कि समय-समय पर स्टूडेंट्स की काउंसलिंग भी करते हैं ।

जयपुर जिला दर्शन पुस्तिका का विमोचन के अवसर शनिवार को जयपुर के प्रभारी मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि कोटा में जो छात्र आत्महत्या कर रहे हैं, उनकी अलग तरह की परेशानियां हैं। इन मामलों में अब तक की जांच में कोई भी कोचिंग संस्थान को छात्रों के आत्महत्या का दोषी नहीं ठहराया जा सका हैं। कोचिंग संस्थानों के लिए प्रशासन ने जो गाइडलाइन बनाई है वे उसका पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन के द्वारा बनाए नियमों की अनुपालना के चलते किसी कोचिंग संस्थान को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कोटा शहर में करीब तीन लाख स्टूडेंट्स विभिन्न कोचिंग संस्थानों में अध्यनरत हैं।

जिला दर्शन पुस्तिका का किया विमोचन

राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार को जयपुर जिले के प्रभारी मंत्री शांति धारीवाल ने जिला दर्शन पुस्तिका का विमोचन करते हुए जयपुर में चार वर्ष में हुए विकास कार्यों की उपलब्धियों को गिनाया। धारीवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने चार वर्ष में जयपुर की सूरत बदल दी। जयपुर में जितने विकास कार्य इन चार वर्षो में हुए उतने 70 वर्षो में नहीं हुए।

पुस्तक लोकार्पण और सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा स्वयं सिद्धा साहित्यिक संस्थान जयपुर .राजस्थान व इटरनल हॉस्पिटल जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में पुस्तक लोकार्पण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया॥ उक्त कार्यक्रम में *मुख्य अतिथि श्री अजीत सक्सेना मुख्य प्रबंधक जेवीवीएनएल व विशिष्ट अतिथि डॉ अखिल शुक्ला, श्री राधेगोविन्द माथुर, श्री धर्मेंद्र जोहरी प्रदेश महामंत्री, श्रीमती दीपा माथुर प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, अरुण सक्सेना जिला अध्यक्ष, रवि माथुर जिला महामंत्री ने मुंशी प्रेमचंद स्मारिका 2022 ,जीने की राह* लेखिका करूणा श्रीवास्तव (कथा संग्रह), 'अनुभूति':पुष्पा माथुर (काव्य संग्रह), 'रिश्तों की डोर'बृजेन्द्र मोहन माथुर(काव्य संग्रह), रजा-ए-शकुन रघुवीर शंकर माथुर 'रजा'(काव्य संग्रह),सम्पादक अर्चना माथुर 'अज्ञेय'ज्ञानवती सक्सैना(एवं अन्य छः कवि)काव्य संग्रह सम्पादक जितेन्द्र चौहान पुस्तकों का भी लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम में स्वयं सिद्धा साहित्यिक संस्था द्वारा स्व श्री देवी सहाय सक्सेना की स्मृति में आयोजित दीप से दीप जले प्रतियोगिता के 8 विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। संस्था की अध्यक्षा श्रीमती ज्ञानवती सक्सेनाजी ने विजेताओं को नगद राशि भी पुरुस्कार स्वरूप प्रदान की।

स्वर्गीय श्री अनूप श्रीवास्तव की स्मृति में उनकी बहन सुश्री करुणा श्रीवास्तव जी ने 3 साहित्यकारों श्री प्रेम मोहन लखोटिया जी, श्री नवल पाण्डे जी, श्री पूरण शर्मा जी को 5100 रुपये नगद राशि देकर सम्मानित किया।

प्रदेश में खनिज तेल के साथ ग्रीन एनर्जी उत्पादन पर जोर

ऑयल इण्डिया ने रिन्यूवल एनर्जी क्षेत्र में निवेश करने के लिए दिखाई रुचि

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पश्चिमी राजस्थान में खनिज उत्पादन के साथ साथ पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा रिन्यूवलएनर्जी पर काम तेज किया जा रहा है। जिसमें ऑयल इण्डिया ने खनिज तेल व प्राकृतिक गैस की माइनिंग व अन्वेषण के साथ ही अब नवीनीकृत ऊर्जा खासतौर से सोलर व विण्ड एनर्जी के क्षेत्र में भी निवेश में रुचि दिखाई है। प्रदेश में पेट्रोलियम खनन की यह अपनी तरह की अनूठी और आधुनिकतम तकनीक है।

ऑयल इंडिया द्वारा क्षेत्र में भारी तेल होने के कारण साइक्लिक स्टीम सिस्टम से खनिज तेल का उत्पादन किया जा रहा है। प्रदेश में पेट्रोलियम खनन की यह अपनी तरह की अनूठी और आधुनिकतम तकनीक है। ऑयल इण्डिया द्वारा राज्य में इस समय तनोट डांडेवाला और बागेवाला में भारी तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया जा रहा है।

निवेशकों से आगे आने की अपील

एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल से सचिवालय में ऑयल इण्डिया के सीएमडी डॉ. रणजीत रथ ने मुलाकात कर प्रदेश में रिन्यूवल एनर्जी के क्षेत्र में भी आगे आने की पेशकश की। अग्रवाल ने बताया कि सरकार के सुझाव पर अब ऑयल इण्डिया ने रिन्यूवल एनर्जी के क्षेत्र में भी निवेश में रुचि दिखाई है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि राज्य में एक लाख 50 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में 4 पेट्रोलिफेरस बेसिन है। इनमें पीएमएल के तहत ऑयल इण्डिया, ओएनजीसी द्वारा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया जा रहा हैं। वहीं एक्सप्लोरशन लाइसेंस के तहत वेदान्ता, ओएनजीसी और ऑयल इण्डिया द्वारा अन्वेषण कार्य किया जा रहा है। चर्चा के दौरान निदेशक पेट्रोलियम करण सिंह राठौड, उपसचिव नीतू बारुपाल, एसजी संजय दुबे, अतिरिक्त निदेशक अजय शर्मा, ऑयल इण्डिया के निदेशक कार्यकारी निदेशक अगाडे मेहदी व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रामगढ़ पावर प्लांट को गैस देने पर सहमति

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि रामगढ़ पॉवर प्लांट के लिए गैस की उपलब्धता को और अधिक बढ़ाने पर सहमति दी है। इससे प्रदेश में गैस आधारित बिजली उत्पादन प्लांट को अधिक गैस मिलने से उत्पादन बढ़ेगा वहीं प्रदेश के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। ऑयल इण्डिया के सीएमडी डॉ. रणजीत रथ ने बताया कि आयॅल इण्डिया द्वारा तनोट डांडेवाला क्षेत्र में प्रतिदिन 52 मिलियन क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया जा रहा हैं वहीं बाघेवाला में 400 बैरल प्रतिदिन भारी तेल का उत्पादन किया जा रहा है। बीकानेर, जैसलमेर और गंगानगर क्षेत्र में तेल व गैस की खोज का कार्य जारी है। ऑयल इण्डिया द्वारा 2025 तक 663 करोड़ रुपए खनन और अन्वेषण पर निवेश का कार्यक्रम है जिसमें से 130 करोड रु. का निवेश किया जा चुका है।

रिश्ते 'चार्ज' तो ज़िंदगी ख़ुशनुमा

परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, पड़ोसी, दोस्त, परिचित और कलीग्स...नाम चाहे कुछ भी हो, पर हमारी जिंदगी के कैनवास को इंद्रधनुषी रंगों से सजाने में हर रिश्ते की खास भूमिका होती है. अपने रिश्तों को खुशनुमा बनाए रखने के लिए मोबाइल की तरह उन्हें भी हमेशा चार्ज करते रहना बहुत जरूरी है.

हमेशा हो फुल टॉक टाइम

यह सच है कि जीवन में व्यस्तता बढ़ती जा रही है, ऐसे में लोगों के पास अपने ही परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत के लिए समय नहीं होता. ऐसी संवादहीनता का रिश्तों और व्यक्ति की दिमागी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है. इसलिए थोड़ा ही सही, पर अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ बातचीत के लिए समय जरूर निकालें.

मेमोरी कार्ड रहे एक्टिव

वैसे तो आजकल फेसबुक आपको सभी खास अवसरों की याद दिलाता रहता है. फिर भी कुछ लोग जन्मदिन, शादी की सालगिरह और त्योहार जैसे खास अवसरों पर अपनों को बधाई देना भूल जाते हैं. हो सकता है अपने करीबी व्यक्ति के साथ आपका तालमेल इतना अच्छा हो कि बधाई न देने पर भी वह कोई शिकायत न करे, पर जब आप उसे शुभकामनाएं देंगे तो निश्चित रूप से उसे बहुत अच्छा लगेगा. इसलिए अपने दिमाग के मेमोरी डाटा को हमेशा अपडेट रखें. अगर व्यस्तता की वजह से आप कोई खास दिन भूल जाते हैं तो अपने मोबाइल में उसके लिए रिमाइंडर लगा लें. बावजूद इसके, अगर किसी वजह से खास मौके पर आपकी बातचीत नहीं हो पाई तो उस व्यक्ति को एक-दो दिन के बाद फोन कर लें.

मैसेजिंग हो मन के करीब

मोबाइल फोन के जरिये दूसरों तक हमारा वही मेसेज जाता है, जो हम कहना चाहते हैं लेकिन सामाजिक जीवन में हरदम ऐसा नहीं होता. कई बार व्यक्ति के हाव-भाव, बॉडी लैंग्वेज या किसी गलतफहमी की वजह से सामने वाले व्यक्ति तक नकारात्मक संदेश चला जाता है, जिससे बेवजह संबंध खराब हो जाते हैं. इसलिए बिना सोचे-समझे कुछ भी बोलने की आदत से बचें. प्रोफेशनल लाइफ में बातचीत के दौरान शब्दों के चयन में सजगता बरतें, अन्यथा अर्थ का अनर्थ हो सकता है और दूसरे को आपकी सही बात भी गलत लग सकती है. अगर कभी भूल से आपके मुंह से कोई ऐसा शब्द निकल जाए तो माफी मांगकर उसे उसी वक्त सुधार लें.

नेटवर्क हो मजबूत

जिस तरह ढंग से बातचीत के लिए मोबाइल का नेटवर्क का सही होना जरूरी है, उसी तरह जिंदगी की खुशहाली के लिए हमारे सामाजिक संबंधों का नेटवर्क भी मजबूत होना चाहिए. कुछ रिश्ते व्यक्ति के जन्म के साथ उसे प्रकृति की ओर से उपहार स्वरूप मिलते हैं, जिसमें माता-पिता, भाई-बहन और करीबी रिश्तेदार शामिल होते हैं. इसके अलावा, अन्य सामाजिक संबंधों को व्यक्ति अपने प्रयास से अर्जित करता है.

मोबाइल-टीवी से छुटकारा दिलाओ

घर में बैठे-बैठे बच्चे बहुत ऊब चुके हैं. वो अपने दोस्तों को, स्कूल को और बाहर पार्क में घूमने-खेलने को काफी मिस कर रहे हैं. जाहिर है कि बहुत से पैरेंट्स को भी इस बात की टेंशन है कि उनके बच्चे या तो लड़ते-भिड़ते रहते हैं या फिर पूरा समय मोबाइल और टीवी के सामने बिताते हैं.

बचपन को क्रिएटिव बनाओ

ब्लॉक प्रिंटिंग और क्लॉथ पेंटिंग

ब्लॉक प्रिंटिंग और क्लॉथ पेंटिंग आपने जरूर अपने बचपन में कभी की होगी. आप चाहें तो इस शौक को अपने बच्चों को ट्रांसफर कर सकते हैं. ब्लॉक प्रिंटिंग और क्लॉथ पेंटिंग का सारा सामान आप घर बैठे ऑनलाइन ऑर्डर कर लें और फिर अपने बच्चों के साथ मिलकर चादर, कुशन कवर, टेबल क्लॉथ जैसी चीजों को डिजाइन करें. बच्चे इस सेशन को आपके साथ बहुत एंजॉय करेंगे.

स्टोरी टेलिंग का सेशन जरूर रखें

बच्चे इस समय अपने क्लासरूम को बहुत मिस कर रहे होते हैं. वैसा माहौल बनाने के लिए आप पूरे दिन भर में 1 घंटा स्टोरी टेलिंग का जरूर रखें. इससे कई फायदे होंगे, जैसे कि आपके बच्चों की रीडिंग हैबिट अच्छी होगी, उन्हें लिस्नर्स बनने में मदद मिलेगी, उन्हें नई-नई कहानियां सुनने को मिलेंगी और साथ वो कुछ नया सीखेंगे.

वेस्ट मटेरियल से करें घर की सजावट

अक्सर हम घर पर बेकार पड़ी पुरानी चीजों को या तो फेंक देते हैं या फिर घर के किसी कोने में यूं ही रख कर छोड़ देते हैं लेकिन आप इन्हें बेकार न समझें. खासतौर पर जब आपके घर में बच्चे हों. क्योंकि इन वेस्ट मटेरियल्स के साथ आप बहुत ही यूनिक और डिफरेंट DIY होम डेकोर आइटम्स बना सकते हैं. आप अपने बच्चों के साथ मिलकर इन्हीं पुरानी चीजों से अपने घर को नया लुक दे सकते हैं.

कुकिंग स्किल्स डेवलप करें

अगर आपके बच्चे 14 साल की उम्र से ज्यादा के हैं तो उन्हें आप कुकिंग सिखा सकते हैं. चाहे लड़का हो या फिर लड़की, हर किसी को खाना बनाना जरूर आना चाहिए. ये समय कुकिंग स्किल्स डेवलप करने के लिए सबसे सही है. आप उन्हें स्टेप बाय स्टेप किचन के रूल्स एंड रेगुलेशन सिखाएं ताकि वो चाकू की तेज धार और गैस आदि से अपना बचाव कर सकें. आप केक, कुकीज और डिफरेंट टाइप के डिशेज बनाने में उनकी हेल्प ले सकती हैं. इससे आपको मदद भी मिलेगी और साथ उनका क्वालिटी टाइम भी क्रिएटिव बन जाएगा.

क्ले मॉडलिंग

अगर आपके बच्चे को कुछ डिफरेंट क्राफ्ट करना है तो आप उसके क्ले मॉडलिंग कर सकती हैं. इससे बच्चा तो क्रिएटिव बनेगा ही, साथ ही आपको भी कुछ नया सीखने को मिलेगा. क्ले काफी एक्साइटिंग आर्ट मटीरियल है. इसे बच्चे काफी ज्यादा एंजॉय करते हैं और आप अपनी क्रिएटिव स्किल्स से कुछ डिफरेंट बना सकते हैं.

अगर हो रहे हैं नए घर में शिफ्ट

नए शहर में शिफ्ट हो रहे हैं या उसी शहर में नए घर में, सामान की पैकिंग और अनपैकिंग करना इसका सबसे मुश्किल काम होता है. वैसे तो आजकल कई ऐसी कंपनियां हैं जो शिफ्टिंग में मदद करती हैं लेकिन आप पूरी तरह से इस काम से फ्री नहीं हो सकते. तो जानते हैं इस बोझिल काम को कैसे आसान बनाया जा सकता है.

लिखने का फंडा अपनाएं

किस कार्टन में क्या पैक कर रहे हैं, ये उसके ऊपर लिखते जाएं. इससे आपको अनपैकिंग के दौरान बहुत ज्यादा परेशानी नहीं होगी. ढूंढने में समय बर्बाद नहीं होगा. डेकोरेशन आइटम्स, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स, किचन आइटम्स इन सबकी मार्किंग जरूर करें.

जरूरत के सामान एक साथ

मसाले, आटा, दाल, चावल, इन सबको एक साथ रखें जिससे नए घर में अगर झटपट से कुछ बनाना हुआ तो आसानी हो. ऐसे ही बेडशीट, पिलो कवर्स, चाकू-चम्मच जैसी चीजें अक्सर पैकिंग के बाद ढूंढना बहुत बड़ा टास्क बन जाता है, तो इन्हें साथ-साथ रखें.

बेकार की चीजें हटा दें

घर में हम उन चीजों को जुटाते रहते हैं जो हमें अच्छी लगती हैं लेकिन शायद ही कभी उनका इस्तेमाल कर पाएं. तो ऐसी चीजों के प्रति मोह खत्म करने में ही भलाई है क्योंकि इससे नए घर में बेफिजूल चीजें फिर से इकट्ठा नहीं होंगी और घर भी साफ-सुथरा और ज्यादा खुला-खुला नजर आएगा.

कपड़ों की ऐसे करें पैकिंग

डेली वियर्स हों, ऑफिस वियर्स या फिर पार्टी वियर्स, इन्हें तो अलग-अलग पैक करें ही, साथ ही सीधे कार्टन में न रख दें, क्योंकि इससे कपड़े खराब हो सकते हैं. बेहतर होगा कि उन्हें पहले किसी बेडशीट में लपेटें और फिर कार्टन में रखें. इससे दाग-धब्बे लगने के चांसेज काफी हद तक कम हो जाते हैं.

सबसे जरूरी टिप्स

लैपटॉप, पर्सनल डॉक्यूमेंट्स, जेवर जैसे जरूरी और कीमती सामान अपने साथ रखें. जिससे खोने या खराब होने की संभावना न रहे.

तो सक्सेसफुल होगी अरेंज्ड मैरिज

शादी के बाद हर कोई खुशहाल जीवन की चाहत रखता है. चाहे कोई लवमैरिज करे या अरेंज्ड मैरिज, हैप्पी मैरिड लाइफ के लिए कपल्स को प्लान करना होता है. अगर शादी के बाद जीवन में खुशहाली नहीं रहेगी तो लाइफ मुश्किल हो जाती है. इसी वजह से शादीशुदा कपल्स को तलाक लेना पड़ता है. हालांकि, लवमैरिज करने वाले कपल्स के लिए बहुत मुश्किल नहीं होती है, लेकिन अरेंज मैरिज करने वाले कपल्स के लिए शादी के बाद वाला जीवन कई बार चुनौतीपूर्ण हो जाता है. क्योंकि हम एक अजनबी के साथ जीवनभर साथ निभाने के रास्ते पर चल पड़ते हैं. ऐसे में अगर आप भी उन्हीं कपल्स में आते हैं तो अपनी अरेंज मैरिज के लिए कुछ रूल्स बना लें.

एक-दूसरे को अच्छी तरह समझें

शादी से पहले एक दूसरे को अच्छी तरह समझना जरूरी है. अगर आप यह काम पहले से करेंगे तो शादी के बाद समझने में टाइम नहीं खपाना पड़ेगा. कई कपल्स शादी से पहले संकोच के कारण खुलकर बात नहीं कर पाते. इस वजह से उनको दिक्कत होती है.

- शादी पक्की होने के बाद नंबर एक्सचेंज करें.
- एक दूसरे की पसंद-नापसंद को समझें.
- अपनी किसी बात को थोपें नहीं.

पार्टनर के लिए खुद को बनाएं खुली किताब

आप पार्टनर को समझ रहे हैं, उसी तरह खुद को भी सरल इंसान बनाएं. अगर आप शर्मीले हैं तो भी खुद को खोलने की कोशिश करें, क्योंकि एक-दूसरे को अच्छी तरह समझना जरूरी है. जब तक एक-दूसरे को समझेंगे नहीं, तब तक बात नहीं बन पाएगी.

- अपने बारे में जरूरी चीजों को बताएं.
- आपके बारे में पूछे तो खुलकर बोलें.
- अपनी किसी बात को छिपाएं नहीं.

एक-दूसरे को जानने के लिए समय दें

हर अरेंज मैरिज करने वालों को बहुत समय नहीं मिलता है, क्योंकि घरवालों की रजामंदी के बाद तुरंत शादी कर दी जाती है. ऐसे कपल्स को बात करने का भी समय नहीं मिलता है. इसलिए उन्हें शादी के बाद एक-दूसरे को समझने के लिए समय देना जरूरी होता है. अगर आप भविष्य में खुशहाल जीवन बिताना चाहते हैं तो समझने के लिए समय का निवेश करें. अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो इससे दिक्कत होगी. बात आपके पूरे जीवनभर की है, इसलिए जल्दबाजी न करें.

- एक-दूसरे के फैसले का सम्मान करें.
- कोई भी फैसला मिलकर करें.
- अपनी पसंद को एक-दूसरे पर थोपें नहीं.
- किसी बात को समझे बगैर प्रतिक्रिया न दें.

जजमेंटल होकर न करें बात

अरेंज मैरिज करने के बाद एकाएक प्यार नहीं हो सकता है. आप एक-दूसरे को जानते भी नहीं हैं. ऐसे में किसी बात को सुनकर तुरंत जज्बाती न हों. किसी बात पर अच्छी तरह प्रतिक्रिया दें. अगर आप किसी बात से असहमत हैं तो भी उसको लेकर लड़ें नहीं. कोई ऐसी बात न बोलें जिससे कि तकलीफ हो.

छोटी-छोटी बातों का रखें खयाल

हर छोटी-छोटी बात का खयाल रखना जरूरी है. क्योंकि इन्हीं बातों से आपके केयरिंग नेचर का पता चलता है. कई लोग शादी के बाद भी अजनबी की तरह व्यवहार करते हैं. इससे उन दोनों के बीच प्यार वाला बंधन नहीं बंध पाता है. इसी वजह से उनकी शादीशुदा जिंदगी में दिक्कत होती है. तब जाकर परफेक्ट पार्टनर बन पाएंगे.

ऑफिस के लिए ड्रेस कोड की बात सुनकर भले ही आपको अजीब लगता होगा लेकिन ये कई मायनों में प्रॉब्लम सॉल्विंग का काम करते हैं. रोजाना सुबह तैयार होने में आपको अपना कीमती समय बर्बाद नहीं करना पड़ता. लेकिन वहीं दूसरी ओर ड्रेस कोड न होने से आप अपने मन मुताबिक कपड़े पहन सकते हैं. ऑफिस के लिए रेडी होते वक्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इसके लिए कुछ जरूरी टिप्स.

- रोजाना कपड़े डिसाइड करने के झंझट से बचने का सिंपल तरीका है कि हर दिन के लिए कोई कलर या थीम रख लें. छुट्टी वाले दिन बैठकर हफ्ते भर के लिए क्या पहनना है, ये तय कर लें.
- सिर्फ कपड़े ही नहीं, फुटवियर और एक्सेसरीज का भी चुनाव प्रोफेशन के हिसाब से होना चाहिए.
- मैनेजमेंट फील्ड में काम करने वालों को खासतौर से फॉर्मल्स ही पहनने चाहिए. बहुत तामझाम वाली ज्वेलरी की जगह सिंपल घड़ी से लुक को पूरा करें.
- क्रिएटिव फील्ड वाले कपड़ों से लेकर ज्वेलरी तक में तरह-तरह के एक्सपेरिमेंट आजमा सकते हैं. हालांकि आउटफिट का कंफर्टेबल होना भी जरूरी है क्योंकि इससे फ्री होकर आप काम कर सकते हैं. एक्सेसरीज और फुटवियर्स में भी प्रयोग कर सकते हैं.

पर्सनैलिटी को बना लो अट्रैक्टिव

- ज्यादातर जो फील्ड में काम करते हैं, उन्हें फुल स्लीव्स वाले आउटफिट्स कैरी करने चाहिए, जिससे धूप, धूल और पॉल्यूशन से बचाव हो सके.
- मशीनरी ऑपरेट करने वालों के लिए ढीले-ढाले कपड़े पहनने चाहिए, जिससे काम करना आसान हो.
- टीचिंग और बैंकिंग प्रोफेशनल्स पर साड़ी और सूट जैसे आउटफिट्स फबते हैं.
- फुटवियर सेलेक्शन में हमेशा अपने कंफर्ट का ध्यान रखें.
- मौसम के हिसाब से वॉर्डरोब में बदलाव करती रहें. फैशन का मतलब ही है जो आपकी पर्सनैलिटी पर जंचे और उसमें आप कंफर्टेबल रहें.
- ऑफिस के माहौल, अपनी उम्र व पद को ध्यान में रखते हुए ही अपनी वॉर्डरोब व्यवस्थित करें. ऐसा करने से पर्सनैलिटी अट्रैक्टिव लगेगी.

हवाई यात्रा के बाद कानों के दर्द से ऐसे पाएं छुटकारा

कई लोग सुविधाजनक यात्रा के लिए हवाई मार्ग का चयन करते हैं, लेकिन जब फ्लाइट टेक ऑफ या लैंड करती है तो कानों में असहनीय दर्द होने लगता है. जब फ्लाइट टेक ऑफ या लैंड करती है, तब कानों पर हवा का अधिक दबाव पड़ता है जिसके कारण दर्द होने लगता है. अगर आपको भी हवाई यात्रा के बाद कानों में दर्द होता है तो आप कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर इससे राहत पा सकते हैं.

गर्म सिकाई करें

अगर हवाई यात्रा के बाद आपके कानों में तेज दर्द हो तो इससे राहत पाने के लिए हॉट पैड से कान की सिकाई करें. ऐसे पैड आपको मेडिकल स्टोर पर या ऑनलाइन भी मिल जाएंगे. हालांकि अगर हॉट पैड न मिलें तो एक सूती का कपड़ा लें और गैस पर तवा गर्म कर लें. अब कपड़े की कई तह बनाकर उसे गर्म तवे से लगाएं और फिर इससे कान के आस-पास 20 मिनट तक सिकाई करें.

प्याज भी है प्रभावी

अगर आप हवाई यात्रा के बाद होने वाले कान के दर्द से राहत पाना चाहते हैं तो इसके लिए प्याज का इस्तेमाल भी कर सकते हैं. सबसे पहले प्याज को दो टुकड़ों में काटें और फिर एक टुकड़े को ऑलिव ऑइल के साथ एक पैन में गर्म करें. जब प्याज मुलायम हो जाए तो उसे ठंडा करके एक साफ सूती कपड़े में लपेटें और फिर कपड़े को 10 से 15 मिनट के लिए कान पर रख लें.

ऑलिव ऑइल का करें यूज

ऑलिव ऑइल की मदद से भी हवाई यात्रा के बाद होने वाले कान के दर्द को दूर किया जा सकता है. समस्या से राहत पाने के लिए एक ड्रॉपर की मदद से अपने कान में जैतून के तेल की 2-3 बूंदें डालें. इस उपाय को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आप इस तेल में लहसुन की कुछ कलियों को कुचलकर डाल सकते हैं. यकीनन इससे आपको जल्द ही कान के दर्द से राहत मिलेगी.

अदरक से मिलेगी राहत

हवाई यात्रा के बाद होने वाले कान के दर्द से राहत दिलाने में अदरक का इस्तेमाल भी प्रभावी हो सकता है. राहत के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक छोटा चम्मच अदरक का रस और एक छोटा चम्मच ऑलिव ऑइल अच्छे से मिलाएं. अब सूती कपड़े को इस मिश्रण में भिगोकर कान के ऊपर रखें.

इस मौसम में लगाएं ये पौधे

मानसून का मौसम कुछ पौधों के लिए बहुत ही बेहतरीन है क्योंकि वे बारिश में ही अच्छे से पनपते हैं. इन पौधों को अतिरिक्त देखभाल की भी जरूरत नहीं पड़ती है. हालांकि बहुत कम लोगों को यह जानकारी होती है कि वह कौन से पौधे हैं जिन्हें मानसून के मौसम में लगाना चाहिए.

गुड़हल

गुड़हल एक ऐसा पौधा है जिसका इस्तेमाल कई चीजों जैसे चाय, कागज और औषधियों आदि के लिए किया जा सकता है. इस पौधे का इस्तेमाल करके त्वचा और बाल संबंधी समस्याओं से भी निजात पाया जा सकता है. गुड़हल को किसी भी मौसम में लगाया जा सकता है, लेकिन मानसून में इसे लगाना सबसे अच्छा होता है. बस इसे लगाते समय ध्यान रखें कि इसे तेज धूप वाली जगह पर नहीं रखना है.

कॉसमॉस

कॉसमॉस एक ऐसा पौधा है जिस पर साल भर फूल रहते हैं. यह पौधा लगाने के लिए गर्मी और बारिश का मौसम सबसे अच्छा होता है और यह पौधा लगभग 1.5- 4 फीट लंबा होता है. इस पौधे में लाल, गुलाबी और बैंगनी आदि रंग के फूल आते हैं. अगर आपको फूल पसंद हैं तो आप अपने गार्डन या फिर घर की बालकनी आदि में यह पौधा लगा सकते हैं.

मानसून कैसिया

मानसून कैसिया को अमलतास और गोल्डन फ्लावर के नाम से भी जाना जाता है. यह पौधा एंटी-बैक्टीरियल और आयुर्वेदिक गुणों से समृद्ध होता है, इसलिए इसे मानसून में अपने घर की बालकनी या फिर आंगन में लगाना बेहतर है. सबसे अच्छी बात तो यह है कि बारिश के मौसम में मानसून कैसिया में पीले फूल खिलते हैं जो आपकी बालकनी और आंगन को परफेक्ट लुक दे सकते हैं. यह केरल का राजकीय फूल है.

साहित्य जगत

देववस्त्रों-सी अकलंक है शीत ऋतु की धूप

शीत ऋतु की धूप आश्चर्य से भरी हुई होती है धूप के आश्चर्य इस ऋतु में उजागर होते हैं। जाड़े की धूप, त्वचा में एक नया उजलापन भर दे रखी है।शीत ऋतु की धूप में छत पर जाकर सोना सृष्टि की अनेकों तृष्णा में से एक है।कब आंखें मुंद जाती हैं, शरीर को कब सुखद अहसास होने लगता है पता ही नहीं चलता। देह पर ऊष्मा दीपती है।जिसके रक्त में ही शीत हो,उसके लिए तो यह पर्व है।रातभर की जगी,कम्बल में सिमटी,शीत से अवमानित, प्रेयसी से अनछुई देह तब धूप की संगत में निखरती है।गौर वर्ण पर गौरव कर इठलाती हुई त्वचा,सांवलापन को स्वीकार कर शीतलानी के आगोश में समा जाती है। कहती हुई कि कम से कम यह धूप तो है,जो स्नेह करती है।उसकी प्रीति इतनी मीठी है कि आलस से भर देती है। त्वचा के माध्यम से प्रवेश करती धूप,ऊर्जा और उष्मा का भंडार लेकर शरीर के अंग अंग और रग रग को अल्हादित करती हुई एक उत्सव लगती है। सुनहरी जाड़े की धूप में सुख गहरा जाते हैं।धूप के फूल,रक्त संचार की रीति और प्रीति का वंदनवार करते हैं।त्वचा,धूप स्नान से और सरसों के तैल के उबटन से ही नव यौवना की तरह मुस्कराती है। खुले में धूप में नहाने का सुख अनुभूति तन और मन दोनों को सुंदर बनाती है। प्रकृति ने शीत की रचना इसीलिए की ताकि हम इस उष्मा को भोग सके।उष्मा ही जीवन है। मृत्यु शीत ही होगी जब खून ठंडा होता है।

किसी कवि की कल्पना की जाड़े की धूप,देववस्त्रों-सी अकलंक,कोमल गंधार,वैष्णवी ही रही होगी। और इन अलंकारों से नवाजा होगा।धूप पर कोई कलंक नहीं है,धूप धवल है,उजली है,देवताओं के वस्त्र-सी।शायद हर वो मनुज, जो धूप के सिवा और कोई अंगवस्त्र देह पर पहनता है,उस पर देवऋण चढ़ता होगा।जाड़े की धूप की मिठास और चाहत किसी प्रेयसी सी है।जाड़ों में सूर्य कल्याणमित्र लगता है।सूर्य की रश्मियों में भी मां के आंचल का शकुन मिलता है।यह त्वचा की ऋतु है। त्वचा पर दीपती है।संसार की शिशिर वह शीत ऋतु,त्वचा की वसन्त ऋतु है। सूर्योदय और सूर्यास्त,तीव्रता के साथ होने लगते हैं।इस मौसम में दिन छोटे होते गए हैं,जैसे किसी ने उन्हें कैंची से काट दिया हो। शीत ऋतु में सूर्य का उदय होना और सूर्य का अस्त होना अलग-अलग विचारों की गंगोत्री से लगते हैं। सूर्योदय एक नई आशा उमंग उत्साह लेकर आता है तो सूर्यास्त की सन्ध्या से ही शीत की विरक्ति होने लगती है।तब पूरी अपराह्न,सन्ध्या,रात्रि और भोर सूर्य के लौट आने की आकुल प्रतीक्षा बन जाती है।वह आता है और प्रभा,ऊष्मा,अनुरक्ति से समूचा दिनमान भर जाता है।सन्ध्याओं का शोक,दिन के उत्सवों में बदल जाता है।

'मंदिम मधुर एहसास सी,उड़ते अपने स्पर्शों से यह तन मन को छू जाती है।

यह धूप है दिसम्बर की ध्वल,जार्जेट के पीले पल्ले-सी तन छू जाती है।।'

खगोलीय परिप्रेक्ष्य में सूर्य न कहीं आता है न जाता है,यह तो पृथ्वी है जो अपनी धुरी पर घूम रही है,जिससे वह कभी ओट हो जाता है कभी प्रकट।खगोलीय घटनाओं के परिवर्तन से ऋतु का आगमन होता है। परन्तु धरती के गुरुत्व से बँधे मानुष के लिए तो दिन और रात है,साँझ और भोर है,सूरज का आना और जाना है।जैसे जीवन और मृत्यु में हमारा आना और जाना। स्वर्ण कलश सा सूर्य जगत की शीतलनता दूर करता हुआ पारदर्शी और शीतल संदेश देता है।

'सबकी जीवन धूरी है ऊर्जा, ऊर्जावान हम जीवन पाते।

सनातन से हूं मैं,तुम भी हो मुझ में मुझसे ही ऊर्जा पाते।।'

रामावतार कुमावत (RAS)

राजस्थान के तीन जवानों सहित 16 सैनिक शहीद

नई दिल्ली। सिक्किम के जेमा में एक सड़क हादसे में सेना के 16 जवान शहीद हो गए हैं। एक तीखे मोड़ से गुजरते वक्त सेना का ट्रक गहरी खाई में गिर गया, जिसके चलते यह दर्दनाक हादसा हुआ। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि शुक्रवार को उत्तर सिक्किम के जेमा में यह घटना हुई। दुखद सड़क हादसे में 16 बहादुर जवानों की जान चली गई। जिस

वाहन के साथ यह हादसा हुआ है, वह सेना के ही काफिले की तीन गाड़ियों में से एक था। ये गाड़ियां चत्तेन से थांगू की ओर जा रही थीं।

पनडुब्बियों के पुर्जों की खरीद का मामला

नौसेना के अधिकारियों पर केस चलाने को मंज़ूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने किलो-श्रेणी की रूसी पनडुब्बियों के पुर्जे खरीदने में कथित भ्रष्टाचार के मामले में नौसेना के सेवारत और सेवानिवृत्त चार अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने भ्रष्टाचार के मामले की जांच शुरू करने के दो महीने के भीतर पिछले साल नवंबर में आरोपपत्र दायर किया था, जिसके बाद जांच एजेंसी ने आरोपी नौसेना अधिकारियों कमांडर एस.जे. सिंह (सेवानिवृत्त) और तीन सेवारत कमांडर अजीत पांडे, अभिषेक कुमार और जगदीश चंदर के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सरकार की मंजूरी मांगी थी। अधिकारियों ने बताया कि लगभग एक साल से अधिक समय के बाद, सरकार ने आखिरकार चारों आरोपी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने को हरी झंडी दे दी, जिसका मतलब है कि अब मामले में सुनवाई जल्द शुरू हो सकती है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 19 के तहत सीबीआई का किसी आरोपी के खिलाफ मुकदमा शुरू करने से पहले सरकार की अनुमति लेना अनिवार्य होता है।

यह है मामला

सीबीआई ने यह जानकारी मिलने पर मामला दर्ज किया था कि किलो-श्रेणी की रूसी पनडुब्बियों के पुर्जे खरीदने में शामिल नौसेना के पश्चिमी मुख्यालय के कुछ सेवारत अधिकारी कथित रूप से सेवानिवृत्त अधिकारियों के प्रभाव में थे और आर्थिक लाभ ले रहे थे। आरोप है कि नौसेना में सेवारत कमांडर-रैंक के अधिकारी आर्थिक लाभ के बदले में सेवानिवृत्त अधिकारियों को गोपनीय जानकारी लीक कर रहे थे।

रक्षा बलों के कर्मियों को मिलेगा लाभ

वन रैंक, वन पेंशन में संशोधन प्रस्ताव को केंद्र की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रक्षा बलों के कर्मियों एवं परिवार पेंशनधारकों के लिए 'वन रैंक, वन पेंशन' के प्रावधानों में संशोधन के प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दे दी । सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने संवाददाताओं को बताया कि इसका लाभ परिवार पेंशनधारकों के साथ युद्ध में शहीद होने वाले जवानों की विधवाओं एवं दिव्यांग पेंशनधारकों को भी मिलेगा। पहले 20.60 लाख पेंशनरों को लाभ मिला करता था। लेकिन अब संशोधन के बाद 25 लाख पेंशनर हो गए हैं। इसके कारण सरकारी कोष पर प्रति वर्ष 8450 करोड़ रुपए का भार पड़ेगा । ठाकुर ने कहा कि इसे एक जुलाई, 2019 से लागू किया जाएगा। ठाकुर ने बताया कि इसके तहत जुलाई 2019 से जून 2022 तक की अवधि का एरियर या बकाया भी दिया जाएगा जिसके मद में 23,638.07 करोड़ रुपए की राशि बनती है। इसका लाभ सभी रक्षा बलों से सेवानिवृत होने वाले और परिवार पेंशनधारकों को मिलेगा।

बकाया भुगतान किस्तों में

बकाए का भुगतान चार छमाही किस्तों में किया जाएगा। हालांकि, विशेष/उदारीकृत पारिवारिक पेंशन पाने वालों और वीरता पुरस्कार विजेताओं सहित सभी पारिवारिक पेंशनधारकों को एक किस्त में बकाये का भुगतान किया जाएगा। पिछले पेंशनभोगियों की पेंशन कैलेंडर वर्ष 2018 में समान सेवा अवधि के साथ समान रैंक पर सेवानिवृत्त होने वाले रक्षा बलों के कार्मिकों की न्यूनतम पेंशन के औसत के आधार पर फिर से निर्धारित की जाएगी। इस औसत से अधिक पेंशन पाने वाले लोगों की पेंशन को संरक्षित किया जाएगा।

फैसला एक नजर में

- 01 जुलाई, 2019 से होगा लागू
- 8450 करोड़ रुपए प्रति वर्ष का सरकार पर पड़ेगा भार
- जुलाई 2019 से जून 2022 तक की अवधि का दिया जाएगा एरियर
- परिवार पेंशनधारकों के साथ युद्ध में शहीद हुए जवानों की विधवाओं एवं दिव्यांग पेंशनधारकों को मिलेगा लाभ

करीब तीस लाख पेंशनधारकों-परिवार पेंशनधारकों को होगा फायदा

ठाकुर ने कहा कि इसका लाभ सभी रक्षा बलों से सेवानिवृत होने वाले और परिवार पेंशनधारकों को मिलेगा । इसका लाभ 4.52 लाख नए लाभार्थियों सहित सशस्त्र बलों के 25.13 लाख पेंशनधारकों एवं परिवार पेंशनधाकों को मिलेगा। रक्षा बलों के पेंशनभोगी/पारिवारिक पेंशनभोगी को ओआरओपी प्रस्ताव के अनुरूप बढ़ी हुई पेंशन मिलेगी।

गरीबों को एक साल तक मुफ्त राशन

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत 81.35 करोड़ गरीबों को एक साल तक मुफ्त अनाज वितरित करने का भी फैसला किया। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में तय किया गया कि 81.35 करोड़ गरीबों को एक साल तक खाद्यान्न उपलब्ध कराने पर पड़ने वाले करीब दो लाख करोड़ रुपए के आर्थिक बोझ को केंद्र सरकार खुद उठाएगी। खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने इस फैसले की जानकारी दी। एनएफएसए के तहत गरीबों को मुफ्त में अनाज मुहैया कराया जाएगा।

प्रतिक्रिया नहीं देता तो शपथ के साथ न्याय नहीं करता : धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्ष की न्यायपालिका के संदर्भ में टिप्पणियों पर आसन द्वारा दी गई प्रतिक्रिया को सदन की कार्यवाही से हटाने की विपक्षी कांग्रेस के सदस्यों की मांग के बीच शुक्रवार को कहा कि अगर उन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी होती तो वह अपनी शपथ के साथ अन्याय करते और अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वाह करने में विफल रहते।

उच्च सदन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने यह मुद्दा उठाया और तथा विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उनकी बात का समर्थन किया।

तिवारी ने कहा अगर लोकसभा सदस्य बाहर कुछ कहती हैं तो उस पर राज्यसभा में चर्चा नहीं की जानी चाहिए। अगर आसन की ओर से उस पर प्रतिक्रिया आती है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसा कभी नहीं हुआ। खरगे ने कहा, जो कुछ कहा गया है उसे कृपया कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

कांग्रेस की बैठक: हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की तैयारियों पर मंथन

जनता से जारी रखें 'संवाद' जोड़े रखें अपने 'साथ': खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने अगले महीने से शुरू होने वाले पार्टी के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को चर्चा की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक में दावा किया कि नरेंद्र मोदी सरकार राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा से घबरा गई है जिसके चलते वह इसे कोई न कोई बहाना बनाकर रोकना चाहती है।

हमें जनता से संवाद जारी रखना है। उन्हें निरन्तर अपने साथ जोड़े रखना है। हाथ से जोड़ो हाथ अभियान उसी का हिस्सा है। खड़गे ने एक बार फिर से संगठन में ऊपर से लेकर नीचे तक जवाबदेही सुनिश्चित करने की बात दोहराई और यह भी कहा कि नियुक्तियों में नेताओं के प्रदर्शन को पैमाना माना जाना चाहिए और यह देखना चाहिए कि इससे पार्टी को फायदा होता हो।

यात्रा को जनता का अपार समर्थन

खरगे ने भारत जोड़ो यात्रा का उल्लेख करते हुए यह भी कहा, राहुल गांधी इतिहास रचने जा रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा शनिवार को दिल्ली पहुंचेगी। जनता से इस यात्रा को अपार समर्थन मिल रहा है। इस कारण मोदी सरकार बुरी तरह घबराने लगी है और किसी बहाने से वह यात्रा में रुकावट पैदा करना चाहती है। राहुल गांधी की इस मेहनत ने लोगों में जागरूकता पैदा की है। हमें उसे अगले मुक़ाम पर ले कर जाना है।

बैठक में ये नेता थे मौजूद

पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की अध्यक्षता में हुई बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पार्टी महासचिव, प्रदेश प्रभारी, प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष और विधायक दल के नेता शामिल हुए।

यह है कांग्रेस की योजना: कांग्रेस ने फैसला किया है कि आगामी 26 जनवरी से देशभर में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू किया जाएगा, जिसके तहत ब्लॉक, पंचायत और बूथ के स्तर पर लोगों से संपर्क साधा जाएगा। केसी वेणुगोपाल ने 4 दिसंबर को संचालन समिति की बैठक में बताया था कि दो महीने तक चलने वाले हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में राहुल गांधी का पत्र भी लोगों को सौंपा जाएगा, जिसमें भारत जोड़ो यात्रा का संदेश होगा।

एक संक्षिप्त परिचय : डिजिटल इंडिया

डिजिटल इंडिया भारत सरकार की एक पहल है जिसमें सरकार के सभी विभागों को डिजिटल रूप देकर उनको गति प्रदान करना है जिसमें बगैर किसी काग़ज़ी कार्यवाही के, बिना किसी लेट-लपेट के जनता तक हर विभाग का लाभ पहुँचे

डिजिटल का अर्थ: नंबर सिस्टम में अगर एक अंकीय नम्बर की बात करें तो 0से 9 अंक आते है परंतु अगर डिजिटल की बात करें तो केवल 0और 1 अंक आते है । ये वायनरी अंक है । सारी सूचना, संगीत ,आवाजें वीडीओ डाटा बाइनरी डाटा के रूप में संरक्षित कर दिया जाता है और आवश्यकता पड़ने पर पुनः मूल रूप में प्राप्त किया जा सकता है । हर संरक्षित डाटा की लाखों प्रतियाँ मूल प्रति के रूप में सेकेंडों में प्राप्त कर सकते हैं ।

डिजिटल अर्थव्यवस्था : वर्तमान संदर्भ में अपने धन को सुरक्षित आदान प्रदान करने के लिये हमें डिजिटल अर्थव्यवस्था के बारे में जानना अति आवश्यक है । बहुत सारी घटनाओं को हम सामाचार पत्रों में पढ़ते रहते हैं कि गुप्त कोड बताने से बैंक से पैसे निकल गए । अतः हमें इसके फायदे और नुकसान के बारे में जानना भी आवश्यक है । वैसे तो अगर हम डिजिटल अर्थव्यवस्था को समझ जाएं तो किसी भी प्रकार की नुकसान की गुंजाइश नहीं है ।

रवि के बेटे का सेलेक्शन मुंबई के एक प्रसिद्ध मेडिकल कालेज में हो गया है फीस लाखों में है । अब इतना सारा पैसा ले जाना खतरे से खाली नहीं है । इसका एक मात्र इलाज है डिजिटल अर्थव्यवस्था । इस व्यवस्था के अंतर्गत अब उसे थैले में रुपये भरकर ले जाने की आवश्यकता नहीं है । मात्र एक कार्ड से वह लाखों का भुगतान कर सकता है ।

अब भुगतान के लिये अटैची, बैग, झोले में रुपये ले जाने की ज़रूरत नहीं है । रुपयों का आदान प्रदान बगैर रुपये निकाले हम कर सकते हैं। हमें अब बैंक में लाइन लगाने की जरूरत नहीं है । बिल का भुगतान, मोबाइल रिचार्ज आदि अब हम सेकेंडों में कर देते हैं। अब मोबाइल से भी भुगतान कर सकते है । कुछ डिजिटल भुगतान विधियों फ़ोन पे ,गूगल पे, पे टी एम नेट बैंकिंग मोबाइल बैंकिंग भीम एप्प , एटीएमक्रेडिट कार्ड के माध्यम से हम अब सेकंडों से भुगतान कर सकते हैं ।

डिजिटल लेनदेन के दौरान बरतें सावधानियाँ

1 अपना पासवर्ड और यूजर आईडी किसी को न बताएं।

2 पासवर्ड ,यूजर आईडी ,बैंक डिटेल मोबाइल पर न रखें

3 अपने मोबाइल पर फिंगरप्रिंट लॉक लगा कर रखें ।

4 अपना पासवर्ड समय समय पर बदलते रहें ।

5 बैंक सम्बंधित डिटेल मोबाइल पर किसी को न दें । बैंक कभी भी पासवार्ड नहीं पूँछता है ।

6 अपने शहर का पिन कोड अपनी जन्म तिथि को पासवर्ड के रूप में इस्तेमाल न करें ।

7 डिजिटल लेन देन करते समय अपना फोन किसी को न दें ।

8 मोबाइल पर आने वाले किसी भी लुभावने विज्ञापन पर क्लिक न करें ।

9 किसी दूसरे के मोबाइल से अपने एप्प ,नेट बैंकिंग को लॉगिन न करें ।

10 अगर आपको संदेह है कि आपके डिटेल की किसी को जानकारी मिल गई है, तो तत्काल अपने पासवर्ड और पिन डिटेल को बदल दें ।

अब एक क्लिक पर बुक करें टिकट: भारत की डिजिटल टेक्नोलॉजी ने सब कुछ आसान कर दिया है । अब हम सेकेंडों में रेल टिकट, मूवी टिकट ,हवाई जहाज के टिकट ,गैस आदि बुक कर सकते हैं ।

सब एक क्लिक पर जाने अपने स्कूल को: अब एक क्लिक पर आप देश के किसी भी स्कूल के बारे में सभी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं । प्रत्येक स्कूल को एक विशिष्ट पहचान अंक प्रदान किया गया है जिसे UDISE कोड कहते हैं । UDISE जिसका फुल फार्म है Unified District Information System For Education है । UDISE कोड को http://udiseplus.gov. in वेब साइट पर दर्ज कर किसी भी स्कूल की जानकारी एक क्लिक पर प्राप्त कर सकतें हैं । बच्चों ! आज ही अपने स्कूल का UDISE कोड अपने प्रिंसिपल जी से मालूम करो और अपने स्कूल की जानकारी प्राप्त करो ।

डिजिटल ग्राम पंचायत: अब गाँव का पूरा डेटा डिजिटल रुप में कर दिया गया है चाहे जन्म प्रमाण पत्र ,हो या कोई अन्य हर समस्या का समाधान अब एक क्लिक पर उपलब्ध है। ढाई लाख ग्राम पंचायतों को अब डिजिटल रूप से कनेक्ट किया जा रहा है । किसान क्रेडिट कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड, पहचान पत्र के लिये अब किसी भी किसान को परेशान नहीं होना पड़ता है ।

- डिजिटल भारत को गति प्रदान करने वाले आधार

फोन : हर घर की बात करें तो औसतन हर परिवार के पास एक फोन है जो समाज के हर वर्ग की जरूरतों को पूरा कर रहा है । कोविड के दौरान बच्चों की पढ़ाई पूर्णतया फोन पर ही हुई है ।ई मार्केटर के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि2019 में भारत में 800 से मिलियन से अधिक मोबाइल उपयोगकर्ता आंके गए है ।

डी .बी. टी: डी .बी .टी .का फूल फार्म है डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर इस योजना के अंतर्गत शासन की हर योजना का लाभ धनराशि के रूप सीधे लाभार्थियों के खातों में बगैर किसी मध्यस्थता के पहुँचता है । इस योजना से 350 से भी अधिक योजनाओं का लाभ लगभग ,2021 में 274 करोड़ लोगों को प्राप्त हो चुका है ।

ब्रॉडबैंड सुविधा: डिजिटल इंडिया के लिए ब्रॉडबैंड सुविधा इनटरनेट का होना अनिवार्य है । ऑप्टिकल फाइबर से अब पूरा भारत जुड़ रहा है ।

ई गवर्नेंस: आपका रिपोर्ट कार्ड ,स्कूल प्रमाण पत्र ,आधार ,राशन कार्ड ,निवास प्रमाण पत्र , आन लाइन एफ आई आर जाति प्रमाण पत्र ,आदि की सुविधा अब आम जनता के पहुँच में बगैर किसी भेदभाव के उपलक्ष्य है । हर ब्लॉक ,तहसील जिले में जनसेवा केंद्र खोले गए है ।जिसमे ई गवर्नेंस की सुविधा उपलब्ध है ।

डिजिलॉकर : आपके विभिन्न प्रमाण पत्रों को संभाल कर रखने की आवश्यकता नही है । ये खो जाएं तो परेशान होने की ज़रूरत नहीं है । शासन द्वारा जारी आपके सभी प्रमाण पत्र आधार कार्ड, राशन कार्ड ,मार्कशीट, माइग्रेन , निवास प्रमाण पत्र , जन्म प्रमाण पत्र आदि

अब डिजिलॉकर में आपके मोबाइल, लैपटॉप कंप्यूटर में है जिसे केवल आप कहीं भी किसी समय प्राप्त कर सकते हैं ।

डॉ. कमलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
रावगंज, कालपी, जालौन उत्तरप्रदेश

जार के 34वें स्थापना दिवस के अवसर पर बोले फ़ारुक़ आफ़रीदी (मुख्यमंत्री के विशेष अधिकारी)

वर्तमान में बड़े मीडिया हाउस से अधिक सशक्त व ज़िम्मेदार भूमिका छोटे मीडिया हाउस निभा रहे हैं

जार जिला कार्यकारिणी उपाध्यक्ष शालिनी श्रीवास्तव सम्मान लेते हुए

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान जार के 34 वें स्थापना दिवस का भव्य समारोह गत रविवार 25 दिसम्बर को दोपहर 1.00 बजे राजस्थान चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन, जयपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुनेश गुर्जर मेयर,नगर निगम हेरिटेज,जयपुर एवं कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में मुख्यमंत्री के विशेष सलाहकार अधिकारी फ़ारुक़ आफ़रीदी ने शिरक़त की। जार के 34वें स्थापना दिवस के इस समारोह में लगभग 40 पत्रकारों का सम्मान किया गया। जिनमें 50 से ज्यादा समय से चलने वाले समाचार पत्र,70 वर्ष की उम्र से ज्यादा वरिष्ठ पत्रकारों एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में कर्मठता से कार्य कर रही महिला संपादकों एवं पत्रकारों का सम्मान किया गया।

■ मुख्य अतिथि मुनेश गुर्जर ने कहा कि वे जार परिवार की सदस्य हैं और हर संघर्ष में वे पत्रकारों के साथ हैं। देश या राज्य की किसी भी उपलब्धि और कमी को उजागर करने का कार्य पत्रकार ही करते हैं और देश की दिशा व दशा तय करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

■ कार्यक्रम के अध्यक्ष फ़ारुक़ आफ़रीदी ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि बड़े-बड़े मीडिया हाउस वह काम नहीं कर पाते जो काम छोटे मीडिया हाउस कर जाते हैं। उनके द्वारा छापी गई सूचनाएं सशक्त व सत्य से परिपूर्ण होती हैं ऐसे में इस ओर ध्यान देने की महत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वे पत्रकारों के संघर्ष को समझते हैं और सदैव उनके साथ हैं।

■ इसी अवसर पर जार के प्रदेशाध्यक्ष हरिबल्लभ मेघवाल ने पत्रकारों के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव और उनकी समस्याओं को मंच पर रखा साथ ही कहा कि पत्रकार संविधान का चौथा स्तम्भ है इसकी सुरक्षा व आवश्यकता दोनों पर सरकार को गहनता से सोचने की आवश्यकता है। पत्रकार की गरिमा की रक्षा व सुरक्षा राज्य नहीं बल्कि देश के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।

■ जार प्रदेश महासचिव दीपक शर्मा ने आने वाले अतिथि पत्रकारों व मंच का स्वागत भाषण देते हुए पत्रकारों के हित के संबंध में कई बिंदु मंच पर साझा किए। उन्होंने कहा कि सभी पत्रकारों को समानता की दृष्टि से देखा जाए और समानता के अधिकार दिए जाएँ। सूचना जनसंपर्क विभाग में पत्रकारों को लेकर आ रही विसंगतियों को दूर किया जाए।

■ कार्यक्रम के जार प्रदेश संगठन मंत्री दीपक पंवार ने भी पत्रकारों की समस्याओं को अपने उद्बोधन में रखते हुए कहा कि सभी पत्रकार कर्मठता व ज़िम्मेदारी से अपनी जान पर खेलकर कार्य करते हैं और इनकी गरिमा की रक्षा व सुरक्षा के प्रति सरकार की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी है जिस पर हर सरकार को ध्यान देने की आवश्यकता है।

■ जिला कार्यकारिणी की उपाध्यक्ष शालिनी श्रीवास्तव ने महिला पत्रकारों की समस्याओं व उनके प्रति समानता के अधिकारों को मंच के सामने रखते हुए सभी अखबारों,इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को व यू ट्यूब चैनल्स को एक नज़र से देखने की बात रखी।

जार के 34वें स्थापना दिवस पर सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार व महिला पत्रकार के साथ प्रदेश कार्यकारिणी व जिला कार्यकारणी

प्रसिद्ध एंकर,होस्ट आरजे एवं जार सचिव कुलदीप गुप्ता सम्मान लेते हुए

इन्हें मिला सम्मान

सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार: बी.के. शर्मा, लाल चतुर्वेदी

50 वर्ष से संचालित अखबार

कामधेनु - राज सिंह, सम्पादक, यादगार - सुरेश शर्मा,सम्पादक, क़िरदार - मोइनुद्दीन, सम्पादक

सम्मानित महिला पत्रकार

मधुलिका सिंह,डिप्टी एडिटर, हिंदुस्तान एक्सप्रेस, शालिनी श्रीवास्तव संपादक एवम स्वामी हिलव्यू समाचार एवं अधिस्वीकृत संपादक राज.सरकार, माया देवी, नीना वर्मा

मंचासीन अतिथि

हरि बल्लभ मेघवाल जार प्रदेशाध्यक्ष, राज., दीपक शर्मा, जार प्रदेश महासचिव, मुख्य अतिथि- मुनेश गुर्जर महापौर, हैरिटेज नगर निगम, कार्यक्रम अध्यक्ष - फ़ारूक़ आफ़रीदी, (मुख्यमंत्री विशेष अधिकारी)

पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने पर सशक्त महिला सम्मान लेते हुए हिलव्यू समाचार संपादक शालिनी श्रीवास्तव

जार जिला कार्यकारिणी महासचिव ब्रजेश पाठक सम्मनित होते हुए।

कार्यक्रम के मुख्य रूपरेखाकार एवं जार जिला कार्यकारिणी के संयोजक मुकेश मिश्रा सम्मान लेते हुए

जार संरक्षक मंडल सदस्य का सम्मान

1 - रवि नैयर - अध्यक्ष, राजापार्क व्यापार मण्डल

2 - महिपाल मकराना

3 - ललित सांचौरा - अध्यक्ष, जयपुर व्यापार मंडल

4 - डॉ बी एस भार्गव - कोषाध्यक्ष, संरक्षक मण्डल

जार जयपुर ज़िला टीम का सम्मान

1 - मुकेश मिश्रा - जयपुर ज़िला संयोजक
2 - शालिनी श्रीवास्तव - उपाध्यक्ष
3 - डब्लू गोस्वामी - उपाध्यक्ष
4 - मोहित - उपाध्यक्ष
5 - ब्रजमोहन शर्मा,उपाध्यक्ष
6-ब्रजेश पाठक - महासचिव
7 - कुलदीप गुप्ता - सचिव
8 - दिलनवाज़ अंसारी - सचिव
9- संतोष कृष्ण शर्मा- कोषाध्यक्ष

सम्मानित पत्रकार

1 - मुकेश गुर्जर - सवाई माधोपुर
2 - भगवान सहाय - टोंक ज़िलाध्यक्ष
3 - पवन अग्रवाल - टोंक उपाध्यक्ष
4 - लोकेश शर्मा - महासचिव ,चित्तौड़गढ़
5 - श्याम मारू - ज़िलाध्यक्ष, बीकानेर
6 - सुरेंद्र चौहान - ज़िलाध्यक्ष, अलवर
7 - राधेश्याम काला - झालावाड़
8 - बंशीधर जाट - अध्यक्ष, जार जयपुर ग्रामीण
9 - राजेन्द्र शर्मा - सीनियर P.R.O
10 - विनय शर्मा - अध्यक्ष, फुलेरा विधानसभा, जार
11 - रफ़ीक पठान - कोटा
12 - कमल शर्मा - संयोजक, दौसा
13 - निधि सुवालका - कोटा
14 - सी.एम.मारोठिया,जयपुर
15 - ब्रजमोहन शर्मा,जयपुर

एनयूजेआई राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सम्मान

रिछपाल पारीक, भवानी जोशी, भविष्य कुमार भानु, गेंदमल पालीवाल

जार कार्यक्रम के नींव की ईंट व मुख्य कड़ियाँ

जार जिला कार्यकारिणी के संयोजक मुकेश मिश्रा ने संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं कार्यक्रम के व्यवस्था को बखूबी संभाला। वे निरन्तर एक माह से कार्यक्रम की तैयारी में जुटे रहे। कार्यक्रम के दौरान उनके साथ जार की सदस्या सरिता शर्मा ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन हर वर्ष की भांति दूरदर्शन के प्रसिद्ध एंकर,होस्ट आरजे एवं जार सचिव कुलदीप गुप्ता द्वारा किया गया

प्रदेश कार्यकारणी सदस्य का सम्मान

दीपक पँवार - प्रदेश संगठन सचिव, सुभाष मित्रूका, हरिनाम सिंह,सुभाष शर्मा, आर.के.न्याति कोषाध्यक्ष ,सरिता शर्मा

आगंतुक अतिथि

- श्याम अग्रवाल - बीजेपी , प्रदेश कोषाध्यक्ष
- इक़बाल - सीईओ,राज लक्ष्मी महिला अरबन को ऑपरेटिव बैंक
- जितेंद्र खण्डेलवाल एवं टीम अध्यक्ष जोधपुर जार जिला कार्यकारिणी

वर चाहिए

31 वर्ष 5'7" Software Engineer MNC Bangalore में कार्यरत एवं 29 वर्ष 5'2" B.Com, LL.B., LL.M Legal Faculty exp. 1 year हेतु Earning, योग्य एवं समकक्ष समस्त वैष्णव/ ब्राह्मण,शाकाहारी, किसी भी प्रकार के नशे से मुक्त वर ही स्वीकार्य। दहेज़ एवं ख़र्चीली शादी चाहने वाले कृपया माफ करें।

सम्पर्क करें- Mob. 9079046718

आयुष कर्मचारियों के साथ वेतन बढ़ोतरी में सरकार लगातार कर रही छलावा

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। आयुष कर्मचारियों ने अजमेर के बाद बड़ा अनशन 26 दिसम्बर को शहीद स्मारक,कमिश्नरेट के पास किया। बड़ी संख्या में आये इन कर्मचारियों में रोष है कि एलोपैथिक कर्मचारियों के साथ साथ उनके वेतन विसंगतियों व स्थायीकरण की शेष माँग को भी पूर्ण किया जाए।

वेतन वृद्धि में एलोपैथिक व आयुष कर्मचारियों में 600 रुपये के अंतर का बड़ा धोखा व झटका खाकर आयुष कर्मचारियों में गहरा सदमा है।

3200 से 4200 एलोपैथिक कर्मचारियों की वेतन वृद्धि हुई है जबकि आयुष कर्मचारियों की मात्र वेतन वृद्धि 3200 से 3600 की गई है। 600 रुपये का बड़ा अंतर देकर सरकार ने आयुष कर्मचारियों के हितों का हनन किया है इसी आक्रोश के चलते कर्मचारियों ने शहीद स्मारक पर अपने इन अधिकारों को लेकर महापड़ाव डाला है।

अनशन प्रतिनिधि धर्मेंद फोगाट से सीधी बातचीत में उन्होंने बताया कि अगर गहलोत सरकार ने माँगे पूरी नहीं की तो आमरण अनशन ही इन कर्मचारियों का अगला क़दम होगा क्योंकि 10 वर्षों से आयुष नर्सेज वेतन विसंगतियों को ख़त्म करने की लगातार माँग कर कर रहे हैं कि एलोपैथिक कर्मचारियों की तरह उन्हें भी वेतन और अधिकार बराबर मिले। 1005 शेष कर्मचारियों का भी स्थायीकरण हो। ऐसी कई माँगे लेकर आयुष कर्मचारी लगातार धरने पर हैं इनकी मुख्य माँगे इस प्रकार हैं---

- आयुष नर्सेज को एलोपैथिक नर्सेज के समकक्ष वेतन भत्ते प्रदान किए जाएँ।
- आयुष नर्सेज का कैडर रिव्यू कर पदोन्नति के अवसर उपलब्ध करवाया जाएँ।

- आयुष नर्सेज का पद नाम परिवर्तन कर केंद्र के अनुरूप आयुष नर्सिंग ऑफिसर व सीनियर आयुष नर्सिंग ऑफिसर किया जाए।
- आयुर्वेदिक ग्रामीण नर्सेज कैडर को मुख्य कैडर में मर्ज किया जाए और ग्रामीण क्षेत्र के नियमानुसार पदोन्नति के पद सृजित किए जाएँ।
- ड्रग्स और फार्मास्युटिकल्स एक्ट में संशोधन करवा कर आयुष नर्सेज को ही आयुष मेडिकल स्टोर खोलने का लाइसेंस प्रदान किया जाएँ।
- आयुर्वेद बीएससी नर्सिंग योग्यताधारियों को नर्सिंग प्रशिक्षण महाविद्यालयों में विवेचक के पद पर नियुक्ति प्रदान करने हेतु नियमों में संशोधन किया जाएँ।
- नर्सेज के पदों से विहीन औषधालयों में आयुष नर्सेज को नियुक्ति दी जाए।
- होम्योपैथी व यूनानी नर्सेज को भी आयुर्वेद नर्सेज के समकक्ष 300 रुपये मासिक विशेष वेतन का लाभ दिया जाए।
- पदोन्नति में अनुसूचित जाति व जनजाति आरक्षण के रोस्टर पालन किया जाए

PUBLIC AGAINST CORRUPTION

68/27, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur Ph. 9414248794

PUBLIC AGAINST CORRUPTION

- पब्लिक अगेंस्ट करप्शन
- भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ एक संस्था
- किसी भी सरकारी शिकायत के लिए मिलें।
- किसी भी भ्रष्टाचार के खुलासे के लिए सूचनाएँ दें।
- आम जनता के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत का प्रयास।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)